PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 178 ● भिलाई, मंगलवार 20 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

## संक्षिप्त समाचार

### बार्डर पर बेरोकटोक खेती का रास्ता होगा साफ-मान

**नई दिल्ली।** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और पंजाब से संबंधित विभिन्न लंबित मुद्दों के जल्द और समयबद्ध समाधान के लिए विचार-विमर्श किया, जिनमें सीमावर्ती सुरक्षा प्रबंध, कृषि संकट, अंतरराज्यीय पानी संबंधी विवाद और केंद्र द्वारा ग्रामीण विकास फंड के बकाए की अदायगी में देरी शामिल है। इसके साथ ही सीमावर्ती सुरक्षा दीवार जीरो लाइन से काफी दूर होने के कारण किसानों को पेश मुश्किलों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सीमा और कंटीली तार के बीच पड़ने वाली कृषि योग्य भूमि के बड़े हिस्से पर चिंता व्यक्त की, जिसके कारण किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने के लिए रोजाना इसे पार करना पड़ता है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित बीज बिल 2025, अनसुलझे सतलुज यमुना लिंक एसवाईएल विवाद, एफ.सी.आई. द्वारा अनाज की धीमी ढुलाई, आढ़तिया कमीशन रोकने, ग्रामीण विकास फंड आर.डी.एफ. और मार्केट फीसों का भुगतान न करने और चंडीगढ़ प्रशासन में पंजाब की भूमिका को घटाने संबंधी पंजाब के एतराज उठाते हुए इन मुद्दों के तुरंत और समयबद्ध समाधान की मांग की।

### दिल्ली से बागडोगरा जा रहे विमान को बम से उड़ाने की धमकी

**लखनऊ।** दिल्ली से बागडोगरा जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक उड़ान में बम होने की सूचना से रविवार को हड़कंप मच गया। विमान संख्या 6ई 6650 को एहतियातन लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियां और एयरलाइंस प्रबंधन अलर्ट मोड पर आ गए। जानकारी के अनुसार इंडिगो का यह विमान दिल्ली से बागडोगरा के लिए रवाना हुआ था। उड़ान के दौरान विमान में बम होने की सूचना मिली, जिसके बाद पायलट ने तत्काल एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी जानकारी दी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारने का निर्णय लिया गया। विमान के लखनऊ पहुंचते ही रनवे पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए। लैंडिंग के तुरंत बाद सुरक्षा कर्मियों ने विमान को चारों ओर से घेर लिया।

### एनडीए सरकार भ्रष्ट तंत्र और मशीनी यंत्र से निर्मित-तेजस्वी

**पटना।** बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को बिहार की एनडीए सरकार पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट तंत्र और मशीनी यंत्र से निर्मित डबल इंजन की एनडीए सरकार अत्याचारियों, भ्रष्टाचारियों, अपराधियों और बलात्कारियों का विश्वसनीय उपकरण बन चुकी है। उन्होंने कहा, वोट खरीदारी से बनी बिहार की असंवेदनशील नीतीश सरकार संपूर्ण बिहार में नाबालिग बच्चियों, छात्राओं, बेटियों और महिलाओं पर जुल्म ढा रही है।

20 जनवरी को औपचारिक ऐलान

# नितिन नबीन बने भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष...

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन अब पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। सोमवार को दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में उनके नामांकन की प्रक्रिया पूरी की गई। भाजपा के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने बताया कि इस पद के लिए केवल नितिन नबीन का ही नाम प्रस्तावित हुआ है। डॉ. लक्ष्मण के अनुसार, नितिन नबीन के समर्थन में कुल 37 सेट नामांकन पत्र दाखिल किए गए, जिनकी जांच के बाद सभी वैध पाए गए। चूंकि कोई दूसरा उम्मीदवार सामने नहीं आया, इसलिए अब उनके नाम का औपचारिक ऐलान 20 जनवरी 2026 को किया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी सहित पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहे। सभी ने नितिन नबीन के समर्थन में अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। भाजपा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए 16 जनवरी 2026 को आधिकारिक नोटिफिक्केशन जारी किया था। इससे पहले, 14 दिसंबर 2025 को नितिन नबीन को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, जिसे संगठन में नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में एक अहम कदम माना गया। संघ पृष्ठभूमि से आने वाले नितिन नबीन को संगठनात्मक रूप से मजबूत और वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध नेता माना जाता है। उनकी ताजपोशी को भाजपा में पीढ़ीगत बदलाव और युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया पार्टी मुख्यालय में शुरू हो गई है। उत्तराखंड के ष्टरू पुष्कर सिंह धामी और राज्य के बीजेपी नेताओं ने अपना समर्थन पत्र जमा किया। भाजपा अध्यक्ष पद के लिए नॉमिनेशन प्रोसेस पर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, नितिन नबीन को चुनने का भाजपा का फैसला न सिर्फ पार्टी के लिए बल्कि देश के लिए भी गर्व की बात है। यह प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से जेन जेड के लिए एक बड़ा मैसेज है, जिसमें उन्हें राजनीति में शामिल होने के लिए बुलाया गया है... आने वाले चुनावों में, हम नितिन नबीन के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे और प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता हमें जीतने में मदद करेगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नॉमिनेशन की प्रक्रिया पार्टी हेडक्वार्टर में शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य भाजपा नेताओं ने अपना सपोर्ट लेटर जमा किया। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव के लिए कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन के नामांकन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह पूरे देश के लिए एक बड़ा संदेश है। उन्होंने कहा, भाजपा ऐसी एकमात्र पार्टी है जहां एक साधारण कार्यकर्ता फर्श से अर्श तक पहुंच सकता है, जबकि कांग्रेस में तो वंशवाद के कारण ऐसा कभी संभव नहीं हो सकता।

### 45 साल के नबीन को मोदी-शाह का भरोसा भी हासिल

पार्टी सूत्रों के अनुसार, नबीन के पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने जाने की संभावना है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी नेतृत्व इस पद के लिए उनकी उम्मीदवारी का समर्थन कर रहे है। बता दें कि बिहार से पांच बार के विधायक रहे 45 वर्षीय नबीन को दिसंबर, 2025 में पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव पार्टी की राष्ट्रीय परिषद और विभिन्न राज्य परिषदों के प्रतिनिधियों से बने एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी पार्टी का राष्ट्रीय निर्वाचन अधिकारी करता है। पार्टी के संविधान के मुताबिक, किसी भी राज्य के निर्वाचक मंडल के कम से कम 20 सदस्य मिलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए किसी उम्मीदवार का प्रस्ताव रख सकते हैं।

### रक्षा मंत्री और गृह मंत्री शाह समेत कई दिग्गज रहे मौजूद

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह के अलावा सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के अलावा धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव और किरेन रिजिजू जैसे वरिष्ठ पार्टी नेता भी नबीन के नामांकन के समय मौजूद रहे।समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और अन्य राज्य नेताओं ने भी नबीन के समर्थन में नामांकन पत्रों का एक सेट जमा किया। नामांकन प्रक्रिया के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पुष्कर सिंह धामी, नायब सिंह सैनी और प्रमोद सावंत भी उपस्थित रहे। बिहार, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, असम, झारखंड और अन्य राज्यों के नेताओं ने भी नबीन के समर्थन में नामांकन पत्र जमा किए।

लगातार दूसरे दिन धरना जारी

# स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने त्यागा कर दिया अन्न-जल

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से बड़ी खबर सामने आ रही है। माघ मेला के दौरान मौनी अमावस्या के महास्नान पर्व पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम स्नान से वंचित रहने का मामला गरमाया हुआ है। इस घटना के बाद शंकराचार्य ने मौन व्रत धारण करने की बात कही है। दावा किया जा रहा है कि रविवार की घटना के बाद से ही स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अन्न-जल का त्याग कर दिया है। सोमवार दोपहर 12 बजे वे अपनी आगे की रणनीति का खुलासा कर सकते हैं। वहीं, माघ मेला क्षेत्र में रविवार

को दिन भर शंकराचार्य की पालकी को रोके जाने का मामला चर्चा में रहा। पुलिस-प्रशासन की ओर से पालकी रोकने की घटना के बाद शंकराचार्य का गुस्सा बढ़ा हुआ है। मौनी अमावस्या पर पालकी पर बैठकर संगम स्नान करने जा रहे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को रोकने पर हंगामा की खबरें सामने आईं। शंकराचार्य के समर्थकों ने इस घटना का विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस के आला अधिकारियों के साथ धक्कामुक्की भी हुई। संगम तट पर करीब तीन घंटे तक खींचतान, धक्कामुक्की और हो-हल्ला चलता रहा। इसके बाद भी पुलिस-प्रशासन नहीं माना और शंकराचार्य बिना स्नान के वापस लौट गए। घटना से नाराज शंकराचार्य ने समर्थकों के साथ त्रिवेणी मार्ग स्थित शंकराचार्य शिविर के बाहर धरना शुरू कर दिया। सूर्यास्त के बाद उन्होंने मौन व्रत धारण कर लिया। शंकराचार्य और धरने पर बैठे समर्थकों के अन्न-जल का त्याग करने की बात भी कही जा रही है।

### दिल्ली-एनसीआर में कोहरे और प्रदूषण की दोहरी मार

**नई दिल्ली।** नई दिल्ली में एक बार फिर वायु प्रदूषण और घने कोहरे ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रविवार सुबह से ही राजधानी और एनसीआर के कई इलाकों में स्मॉग और कोहरे की मोटी परत छाई रही, जिससे दृश्यता बेहद कम हो गई। हालात ऐसे हैं कि सड़क, रेल और हवाई यातायात तीनों पर असर देखने को मिल रहा है। बारापुला फ्लाईओवर, निजामुद्दीन, आईटीओ, मोती बाग और डीएनडी फ्लाईवे समेत कई क्षेत्रों से सामने आए दृश्यों में साफ नजर आया कि पूरा शहर धुएं और कोहरे की चादर में लिपटा हुआ है।

राहुल गांधी ने लगाया आरोप

# भाजपा सत्ता के केंद्रीकरण के प्रयास में....

**कोच्चि।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर सत्ता को केंद्रीकृत करने के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी विकेंद्रीकरण में विश्वास करती है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यहां स्थानीय निकाय चुनाव में निर्वाचित हुए कांग्रेस सदस्यों की एक 'महापंचायत' में यह भी कहा कि कांग्रेस त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 73वां

और 74वां संवैधानिक संशोधन लेकर आई।राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि संविधान की रक्षा का मतलब जमीनी स्तर पर विकेंद्रीकृत शासन की रक्षा करना है।

पोलैंड के शीर्ष नेतृत्व के साथ की बैठक

# पड़ोस में आतंकवाद ढांचे को बढ़ावा न दें-एस जयशंकर....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर एक बार फिर साफ और कड़ा रुख अपनाया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पोलैंड से स्पष्ट शब्दों में कहा है कि वह आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस अपनाए और भारत के पड़ोस में आतंकी ढांचे को किसी भी तरह से बढ़ावा न दे। यह बयान नई दिल्ली में पोलैंड के शीर्ष नेतृत्व के साथ हुई अहम बैठक के दौरान आया। जयशंकर का यह संदेश उस पृष्ठभूमि में आया है, जब पिछले साल अक्तूबर में पोलैंड और पाकिस्तान के संयुक्त

बयान में कश्मीर का उल्लेख किया गया था। इसे लेकर भारत ने असंतोष जताया। बैठक में जयशंकर ने न सिर्फ आतंकवाद पर चिंता रखी, बल्कि यूक्रेन संघर्ष को लेकर भारत पर हो रहे चुनिंदा और अनुचित हमलों पर भी नाराजगी जताई। बैठक में विदेश मंत्री ने यूक्रेन संघर्ष को लेकर भारत पर हो रही आलोचना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रूस से ऊर्जा खरीद को लेकर भारत को बार-बार निशाना बनाया जाना न तो उचित है और न ही न्यायसंगत। इस पर पोलैंड के विदेश मंत्री ने भी सहमति जताते हुए माना कि कुछ मामलों में भारत को चुनिंदा तौर पर टारगेट किया गया है। जयशंकर ने दोनों देशों के रिश्तों में आई मजबूती को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि अगस्त 2024 में नरेंद्र मोदी की पोलैंड यात्रा के बाद द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा मिला।

### नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, 5 लोगों की मौत; एक महिला घायल

**सोलापुर।** महाराष्ट्र के सोलापुर से एक बेहद दुखद सड़क हादसे की खबर सामने आई है। महाराष्ट्र में सोलापुर ङ्कपुणे राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इस भीषण हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस मृतकों की पहचान करने में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा मोहोल क्षेत्र के देवदरी पाटी के पास हुआ। बताया जा रहा है कि सभी लोग पनवेल से अक्कलकोट देवदर्शन के लिए जा रहे थे।

चुनावी रणनीति पर प्रशांत किशोर से बातचीत

# बीआरएस से निलंबन के बाद नई पार्टी बनाएगी के कविता

हैदराबाद/ एजेंसी

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी कलवकुंतला कविता जल्द ही अपनी नई राजनीतिक पार्टी शुरू कर सकती हैं। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि इसके लिए कविता ने मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से बातचीत की है। सूत्रों के मुताबिक, प्रशांत किशोर हाल ही में पांच दिनों के लिए हैदराबाद आए थे। इस दौरान कविता ने उनसे मुलाकात की। दोनों के बीच नई पार्टी की शुरुआत और तेलंगाना में इसके

लिए राजनीतिक जगह बनाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। कविता फिलहाल सांस्कृतिक संगठन 'तेलंगाना जागृति' की अध्यक्ष हैं और इसी बैनर तले सक्रिय हैं। कविता को सितंबर 2025 में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से सस्पेंड कर दिया गया था। उन्होंने अपने चचेरे भाइयों टी. हरीश राव और जे. संतोष कुमार पर आरोप लगाया था कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई प्रोजेक्ट को लेकर उन्होंने केसीआर की छवि खराब की। इसके बाद कविता ने विधान परिषद से इस्तीफा दे दिया था, जिसे इस महीने की शुरुआत में अध्यक्ष गुथा सुखेन्द्र रेड्डी ने स्वीकार कर लिया था। कविता ने एलान किया है कि उनका नया राजनीतिक मंच अगले विधानसभा चुनाव लड़ेगा। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने कहा था कि वह एक दिन मुख्यमंत्री बनेंगी।

भारत आए यूएई के राष्ट्रपति

# प्रोटोकॉल तोड़ एयरपोर्ट पर स्वागत करने पहुंचे मोदी-गले मिले

नई दिल्ली/ एजेंसी

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान एक दिन की आधिकारिक यात्रा पर सोमवार शाम राजधानी दिल्ली पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़ते हुए हवाई अड्डे जाकर स्वयं उनका स्वागत किया। शेख नाहयान की अब से कुछ देर बाद पीएम मोदी के साथ वार्ता होगी जिसके बाद संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति आज ही स्वदेश लौट जायेंगे। शेख नाहयान की यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही है। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद यह उनकी भारत की तीसरी आधिकारिक यात्रा होगी, और पिछले एक दशक में यह उनकी भारत की पांचवीं यात्रा होगी। यह यात्रा हाल ही में हुए उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान से मिली मज़बूत गति पर आधारित है, जिसमें सितंबर 2024 में अबू धाबी के शहजादा शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की यात्रा और पिछले वर्ष अप्रैल में अमीरात के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री तथा दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की यात्रा शामिल है। उनकी भारत यात्रा पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका संबंधों में आई तीव्र गिरावट, यमन को लेकर सऊदी अरब और यूएई के बीच बढ़ते तनाव और गाजा में अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य के कारण उत्पन्न स्थिति के बीच हो रही है। यूएई के राष्ट्रपति की यात्रा के बारे में जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि व्यापार और निवेश, रक्षा उद्योग सहयोग और ऊर्जा पहलों पर

भारतीय नेतृत्व के साथ वार्ता होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी दोनों देशों के नेताओं के बीच मुलाकात के दौरान चर्चा होने की संभावना है। सत्ता संभालने के बाद से नाहयान की यह भारत की तीसरी आधिकारिक यात्रा है, जबकि गत 10 वर्षों में यह उनकी पांचवीं यात्रा है। गौरतलब है कि खाड़ी क्षेत्र की दो प्रमुख शक्तियों यूएई और सऊदी अरब के बीच मतभेद हाल के दिनों में खुलकर सामने आए हैं, खासकर दक्षिणी यमन को लेकर। सऊदी अरब ने आरोप लगाया है कि यूएई वहां अलग दक्षिणी राज्य की मांग कर रहे अलगाववादी समूहों का समर्थन कर रहा है। दोनों देश उत्तरी यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए बने अरब गठबंधन का हिस्सा रहे हैं, लेकिन पर्दे के पीछे तेल-समृद्ध दक्षिणी यमन क्षेत्र और रणनीतिक रेड सी कॉरिडोर व बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य पर प्रभाव बढ़ाने की होड़ चलती रही है। दिसंबर 2025 में दक्षिणी यमन में तेज सैन्य और राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिले, जहां अलग दक्षिणी राज्य की मांग तेज हुई। इसके बाद सऊदी अरब ने क्षेत्र में हवाई हमले तेज किए और यूएई पर अलगाववाद को समर्थन देने का आरोप लगाया। यूएई ने तेजी से क्षेत्र से अपने कदम पीछे खींच लिए, जबकि रियाद ने तुर्की, पाकिस्तान, कतर और मिस्र के साथ एक नया समूह बनाकर अपनी स्थिति मजबूत की।

### मुलाकात छोटी,लेकिन एजेंडा काफी बड़ा.....

हालांकि यह दौरा महज दो घंटे का है लेकिन कम समय की इस बैठक में दोनों देशों से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, 2022 में हुए आर्थिक साझेदारी समझौते के बाद द्विपक्षीय व्यापार को और मजबूती देने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही रक्षा सहयोग बढ़ाने और भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। क्षेत्रीय हालात पर भी गहन चर्चा हुई, जिसमें ईरान-अमेरिका के तनावपूर्ण संबंध, यमन को लेकर सऊदी अरब और यूएई के बीच चल रही खींचतान तथा गाजा की मौजूदा राजनीतिक स्थिति प्रमुख रही। यह उच्च-स्तरीय दौरा सितंबर 2024 में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद की भारत यात्रा के बाद हुआ है। जानकारों का मानना है कि इतनी छोटी अवधि के लिए यूएई राष्ट्रपति का भारत आना यह स्पष्ट करता है कि दोनों देश वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर एक-दूसरे के साथ निरंतर संपर्क में हैं ।

# बच्चों को खेल खेल में शिक्षण कराने पर जोर, समापन में बीईओ एवं बीआरसी हुए शामिल

**डोंगरगांव नगर।** नवीन पाठ्य पुस्तक पर आधारित दस दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण सेजेस हॉल में दो चरण में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण के समापन सामारोह में विकासखंड शिक्षा अधिकारी आर एल पात्रे, बीआरसी अरविन्द रत्नाकर, प्राचार्य बीएल देवांगन, उमा हरिवंश प्राचार्य एवं जोन प्रभारी डामन साहू, डीके साहू शामिल हुए। बीईओ ने सभी प्रशिक्षर्थियों को एनईपी 2020 के अनुसार खेल खेल में शिक्षण कार्य कराने एवं शाला में शत प्रतिशत उपस्थिति लाने हेतु जोर दिया। प्रशिक्षण में डोंगरगांव 01, 02, आसरा, खुज्जी, मनेरी, बीजेभाठा, मोहड़, कोकपुर संकुल के शिक्षकगण शामिल हुए। शिक्षकों द्वारा पहले 5 दिनों का ऑनलाइन प्रशिक्षण पूर्ण किया। पश्चात पांच दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उददेश्य नई शिक्षा नीति 2020 निपुण भारत अभियान 2021 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा एनसीएफ 2022 और 2023 के अनुसार प्राथमिक स्तर की शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान 1 से 8 वर्ष तक के बच्चों के लिए बुनियादी भाषा विकास साक्षरता व संख्यात्मक ज्ञान को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2023 के अंतर्गत कक्षा 1 से 3 की नवीन पाठ्य पुस्तकों में किए गए बदलाव की विस्तार से जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर ओगेश्वर प्रसाद साहू, भगत राम पटेल, मेहतराम सोनकर द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से शिक्षकों को नई शिक्षण अधिगम पद्धतियों, गतिविधि आधारित शिक्षण, बाल केंद्रित शिक्षा, मूल्यांकन की नई तकनीक और कक्षा शिक्षण को रोचक और प्रभावी बनाने के व्यावहारिक उपाय बताए गए।

# भिभौरी महाविद्यालय में एसआईआर के तहत मतदाता जागरूकता विशेष शिविर आयोजित

**बेमेतरा।** निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के अंतर्गत दावा-आपत्ति चरण के दौरान मतदाता जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भिभौरी महाविद्यालय में एक विशेष मतदाता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित छात्र-छात्राओं को 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक चलने वाली दावा-आपत्ति प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला निर्वाचन कार्यालय, बेमेतरा के निर्देशानुसार नगर पंचायत क्षेत्र में कार्यरत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को आमंत्रित किया गया था। बीएलओ द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने एवं त्रुटि सुधार से संबंधित प्रक्रियाओं को सरल भाषा में समझाया गया। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के अनुसार जिन छात्र-छात्राओं की आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रारूप-6 में आवेदन प्रस्तुत कर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। साथ ही नाम, पता, आयु अथवा अन्य विवरणों में त्रुटि होने की स्थिति में संबंधित प्रारूपों के माध्यम से सुधार कराया जा सकता है। स्वीप नोडल अधिकारी जी.एस. भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला निर्वाचन कार्यालय बेमेतरा के मार्गदर्शन में महाविद्यालय स्तर पर यह विशेष शिविर आयोजित किया गया है, ताकि युवा मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ते हुए उन्हें अपने मताधिकार के प्रति जागरूक किया जा सके। शिविर के दौरान नुक्कड़ नाटक, रंगोली प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जैसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उददेश्य मतदाता जागरूकता को प्रभावी एवं रोचक बनाना है। शिविर में अभिहित अधिकारी एवं बीएलओ की सक्रिय सहभागिता रही।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समीर ठाकर ने सभी छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे समय रहते मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं तथा यदि कोई दावा-आपत्ति से संबंधित आवेदन हो तो 22 जनवरी 2026 की समय-सीमा के भीतर प्रस्तुत करें। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों को मतदाता शपथ दिलाई गई और उन्हें निष्पक्ष, निर्भीक एवं जिम्मेदार मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इस विशेष शिविर के माध्यम से युवा मतदाताओं में निर्वाचन प्रक्रिया की समझ बढ़ी तथा उन्हें लोकतंत्र में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरणा मिली।

# नगर पालिका कार्यालय में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला का आयोजन

**दल्लीराजहरा।** राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला का आयोजन दल्ली राजहरा में नगर पालिका कार्यालय में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि तोरण लाल साहू अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, विशेष अतिथि मनोज दुबे उपाध्यक्ष नगर पालिका दल्ली राजहरा थे। स्वास्थ्य टीम ने बताया, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-2 के तहत दल्लीराजहरा पहुँची एम्स रायपुर की टीम दल्लीराजहरा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-2 के अंतर्गत एम्स रायपुर की 10 सदस्यीय टीम स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ दल्लीराजहरा नगर के 08 वार्डों में घर-घर जाकर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सर्वेक्षण कार्य कर रही है। इस सर्वेक्षण का उददेश्य समुदाय में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की वास्तविक स्थिति, उपचार अंतराल तथा उपलब्ध सेवाओं का वैज्ञानिक आंकलन करना है। इसी दृष्टिकोण से भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निमहांस के समन्वय में क्रियान्वित नेशनल मेंटल हेल्थ सर्वे-2 देश में मानसिक स्वास्थ्य की वास्तविक स्थिति को समझने का एक ऐतिहासिक प्रयास है। छत्तीसगढ़ में एम्स रायपुर इस सर्वे का एक प्रमुख केंद्र है। टीम विभिन्न जिलों के शहरी, ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में जाकर लोगों से संवाद कर रही है और उनकी जीवन परिस्थितियों तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों को समझ रही है। इस सर्वे का उद्देश्य मानसिक विकारों का डेटा एकत्र करने के साथ साथ यह जानना भी है कि लोगों को मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने में किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, ताकि भविष्य में नीति-निर्माण इसके अनुरूप हो सके और इसका सीधा लाभ आम जनमानस को प्राप्त हो। स्वास्थ्य विभाग के सुपरवाइजर रेखू राम साहू ने बताया कि टीम चयनित परिवारों से संवाद कर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी एकत्र कर रही है। मानसिक स्थिति एवं व्यक्तिगत कार्यशैली के माध्यम से आंकलन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य में इस महत्वपूर्ण सर्वेक्षण का क्रियान्वयन एम्स रायपुर के निदेशक एवं सीईओ लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. अशोक जिंदल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। यह कार्य सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मनीषा रूईकर, डॉ. अंजन गिरी तथा मनोरोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. लोकेश सिंह एवं डॉ. निरिशा पी. के दिशा-निर्देशन में संपन्न हो रहा है। तोरण लाल साहू ने कहा जब कोई व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ होता है, तब वह अपनी क्षमताओं को पहचानने, जीवन के सामान्य तनावों का सामना करने, उत्पादक कार्य करने और अपने समाज के विकास में सकारात्मक योगदान देने में सक्षम होता है, ऐसे में एम्स रायपुर द्वारा किये जा रहे इस सर्वेक्षण में आगे मानसिक स्वास्थ्य सेवाओ के लिए नीति बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

### टेली-मानस के प्रति जागरूकता

सर्वेक्षण के दौरान टीम द्वारा नागरिकों को सरकार की महत्वपूर्ण पहल टेली-मानस के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। यह एक राष्ट्रीय हेल्पलाइन सेवा है, जहाँ कोई भी व्यक्ति 14416 पर कॉल कर निःशुल्क मानसिक परामर्श प्राप्त कर सकता है। सर्वेक्षण दल में कोडिनार राकेश भारती, राजेन्द्र मेहरा, अशोक लोध, अन्नपूर्णा साहू, वोकेस यादव, भोज जन, अनिल साहू, दिव्यांशी पाण्डेय, मिनाक्षी चन्द्राकर, संस्कृति यादव, स्वास्थ्य कर्मचारीगण, स्थानीय मितानिनगण शामिल हैं।

# कलेक्टर ने गणतंत्र दिवस की तैयारियों का किया स्थल निरीक्षण

## भव्य, अनुशासित एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत आयोजन के दिए निर्देश

**बेमेतरा।** आगामी 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय मुख्य समारोह को भव्य, गरिमामय एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के उददेश्य से कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने बेमेतरा के बेसिक ग्राउंड में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने परेड, झांकी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मंच व्यवस्था, ध्वजारोहण, अतिथि स्वागत, बैठक व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, यातायात एवं सुरक्षा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की बिंदुवार जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेमलता मंडावी, अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, डिप्टी कलेक्टर पिंकी मनहर, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कलेक्टर ममगाई ने कहा कि गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय गौरव, लोकतंत्र और संविधान के प्रति सम्मान का प्रतीक है, इसलिए आयोजन में अनुशासन, समयबद्धता एवं गरिमा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के नियमित रिहर्सल, मंच एवं मैदान की आकर्षक सजावट, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस एवं होमगार्ड विभाग को सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने, स्वास्थ्य विभाग को आपात चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने तथा नगर पालिका परिषद को साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही आम नागरिकों, विद्यार्थियों एवं अतिथियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट दायित्व सौंपते हुए आपसी समन्वय से कार्य करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस का आयोजन देशभक्ति, एकता, अखंडता एवं संवैधानिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है, अतः इसे सफल, प्रेरणादायक एवं यादगार बनाया जाए।

### राष्ट्रीय पर्व को यादगार बनाने विभागीय समन्वय पर विशेष जोर

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय महत्व के पर्व में प्रत्येक व्यवस्था समय से पूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आयोजन की सफलता के लिए विभागीय समन्वय, स्पष्ट कार्य विभाजन एवं सतत निगरानी अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर ने परेड में भाग लेने वाले पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट-गाइड एवं स्कूली दलों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अनुशासन, एकरूपता एवं कदमताल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परेड राष्ट्रीय अनुशासन एवं सम्मान का प्रतीक होती है, अतः इसमें किसी भी प्रकार की कमी स्वीकार्य नहीं होगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रस्तुतियां भारतीय संविधान, स्वतंत्रता संग्राम, देशभक्ति, सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक विविधता की भावना को प्रतिबिंबित करें। उन्होंने विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस मंच युवा पीढ़ी के लिए देशप्रेम की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।

### अतिथियों एवं आमजन की सुविधा सर्वोपरि

कलेक्टर ने मंच व्यवस्था, बैठक क्षमता, प्रवेश एवं निकास मार्ग, पार्किंग, दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधा, पेयजल व्यवस्था तथा छाया प्रबंध की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि किसी भी आगंतुक को असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह केवल शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी का उत्सव है, जिसमें जिले के नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः सभी व्यवस्थाएं जनहित केंद्रित हों।

### सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर विशेष निर्देश

कलेक्टर ममगाई ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस, होमगार्ड एवं प्रशासनिक अमले को पूर्ण सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल पर भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण एवं आपात स्थिति से निपटने की समुचित योजना पूर्व से तैयार रहे। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि कार्यक्रम स्थल पर एम्बुलेंस, प्राथमिक उपचार दल एवं आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध हो सके। नगर पालिका परिषद को कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, रंग-रोगन एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण राष्ट्रीय पर्व की गरिमा को और अधिक बढ़ाता है। कलेक्टर ने कहा कि गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान के लागू होने की स्मृति का दिन है, जो हमें लोकतंत्र, समानता, स्वतंत्रता और न्याय के मूल्यों की याद दिलाता है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि आयोजन के माध्यम से इन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं का सम्मान प्रेरणादायी संदेश देता है और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। अंत में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों से अपील की कि वे समर्पण, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि जिला बेमेतरा में गणतंत्र दिवस समारोह ऐतिहासिक, भव्य एवं प्रेरणास्पद बन सके।

# पटरी से उतरी शहर की यातायात व्यवस्था

**दल्लीराजहरा।** शहर की यातायात व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह पटरी से उतर गई है। नगर के प्रमुख चौराहों पर यातायात को व्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसकी वजह से रोजाना यातायात जाम में फंसकर लोग परेशान हो रहे हैं। बस स्टैंड फौव्वारा चौक, न्यू मार्केट गुप्ता चौक, पुराना बाजार वीर नारायण चौक पर यातायात का कोई नियंत्रण नहीं होने से अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। इस नगर में दिनभर भारी वाहनों का आना-जाना बना रहता है जिसकी वजह से यातायात बाधित हो रहा है, खासकर न्यू मार्केट से बस स्टैंड फौव्वारा चौक तक तो हालत खराब रहती है। जिला पुलिस प्रशासन द्वारा ट्रैफिक सिग्नल भी नहीं लगाया जा रहा है। जबकि नगर के मुख्य मार्ग के विभिन्न चौकों में ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाने का प्रावधान है। जानकारी मिली है कि इसके लिए बीएसपी ने पुलिस प्रशासन को आवश्यक फंड भी दे दिया है इसके बाद भी ट्रैफिक सिग्नल क्यों नहीं लग पा रहा है यह सोचनीय विषय है। चूंकि दल्ली राजहरा नगर में बायपास रोड का निर्माण अब तक नहीं हो पाया है इस वजह से सभी प्रकार की गाड़ियां, भारी वाहन सब शहर के बीच से ही आना-जाना कर रही है। भारी वाहनों को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पा रही है, जिसके कारण नगरीय क्षेत्र में यातायात का दबाव बढ़ाते जा रहा है। अनेक दुकानदारों द्वारा भी अपने सामानों को दुकान के बाहर तक रखकर यातायात में अवरोध उत्पन्न किया जा रहा है। गुप्ता चौक से लेकर जैन भवन चौक तक तो यातायात की हालत बहुत खराब है। यहां फुटपाथों पर इतनी दुकान लगी रहती है इसे ना तो नगर पालिका हटा पा रही है ना स्थानीय प्रशासन ध्यान दे रहा है। अवैध कब्जे बढ़ते जा रहे हैं। जिसकी ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। इसी के साथ ही बस स्टैंड फौव्वारा चौक से लेकर श्रम वीर चौक तक दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों को आगे तक बढ़ा लिया गया है जिसकी वजह से आवागमन भी बाधित हो रहा है। जनहित में दल्ली राजहरा नगर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए कुछ कड़े कदम प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के साथ ही नगर पालिका को उठाने चाहिए।

# संजोग बने मिस्टर इंडिया 2026 के सेकेंड रनरअप

### मुंबई इवेंट में किया छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व

**डोंगरगांव नगर।** नगर के प्रतिष्ठित श्रीवास्तव परिवार के संजोग श्रीवास्तव ने देश की प्रतिष्ठित आईएफआईएफ मिस्टर इंडिया 2026 इवेंट में सेकेंड रनरअप बनकर मॉडलिंग की दुनिया में परचम लहराया है। छग के उभरते मॉडल संजोग श्रीवास्तव ने अपनी सुसंगठित बॉडी, आत्मविश्वास व टैलेंट से सभी को प्रभावित करते हुए रनर अप का खिताब अपने नाम कर लिया। उक्त इवेंट मुंबई के एक ऑडिटोरियम में आयोजित हुई, जिसमें देशभर से सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। संजोग ने, टैलेंट शो और पर्सनालिटी इंटरव्यू में अपनी चुस्ती फुर्ती और बुद्धिमत्ता का परचम लहराया। निर्णायकों ने उनकी समग्र प्रस्तुति को सराहते हुए उन्हें दूसरा रनर-अप चुना। विजेता की घोषणा के बाद स्टेज पर संजोग को ट्रॉफी पुरस्कार प्रदान किया गया। संजोग को उनकी सफलता पर छत्तीसगढ़ के कई प्रमुख हस्तियों ने सोशल मीडिया पर बधाई दी है।

# अग्निवीर भर्ती हेतु बेमेतरा जिले से 42 युवा हुए रवाना

**बेमेतरा।** भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के अंतर्गत बेमेतरा जिले से चयनित 42 युवाओं को उत्साहपूर्ण वातावरण में रवाना किया गया। इस अवसर पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, नगरवासियों एवं युवाओं के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी चयनित युवाओं का पुष्पमालाओं से स्वागत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश सेवा का यह अवसर युवाओं के लिए गौरव और सम्मान का विषय है। अग्निवीर योजना के माध्यम से युवा अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ आगे बढ़ेंगे और देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने चयनित युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेमेतरा जिले के लिए यह गर्व का क्षण है। उन्होंने सभी युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, सफल प्रशिक्षण एवं राष्ट्र सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रही। उपस्थित जनों ने सभी अग्निवीरों को सफल एवं गौरवपूर्ण सेवा के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

# सड़क सुरक्षा के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला

बेमेतरा। सड़क सुरक्षा (सुरक्षित ड्राइविंग और सुरक्षित सफर) एवं ई-चालान के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यशाला के माध्यम से ई-समन, ई-साक्ष्य, ई-चालान एवं सड़क सुरक्षा (सुरक्षित ड्राइविंग और और सुरक्षित सफर) से जुड़े सभी मुददों एम.वी. एक्ट और उसके तहत् बनाये गये नियमों में दिये गये सुरक्षा उपायों का पालन न करने के बुरे और गंभीर असर के बारे में आम जन को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विभिन्न स्कूलों एवं ग्राम पंचायतों में किए जाने वाले जागरूकता कार्यक्रम में समन्वय स्थापित कर सहयोग प्रदान करने कहा गया। उक्त कार्यशाला में मो. जहांगीर तिगाला, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, बेमेतरा द्वारा न्यायालय के समस्त स्टॉफ व थाना के सीसीटीएनएस स्टॉफ को ई-समन, ई-चालान के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि भविष्य में समस्त न्यायालय में पेपरलेस कार्य होना है जिसके तहत् बेमेतरा जिला न्यायालय के एचजेएस व एलजेएस से एक-एक न्यायालय को चिन्हांकित किया गया है। उक्त न्यायालयों में पूर्णतः पेपरलेस कार्य किया जावेगा तथा थानों से भी ई-चालान ही लिया जायेगा इसलिए अधिक से अधिक संख्या में ई-चालान प्रस्तुत करने एवं न्यायालयीन कर्मचारियों को इ-चालान प्राप्ति पश्चात् की जाने वाली कार्यवाही से अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त ई-समन, ई-तामिली व ई-साक्ष्य के संबंध में भी जानकारी दिया गया इसके अतिरिक्त सीसीटीएनएस स्टॉफ द्वारा ई-चालान, ई-समन, ई-साक्ष्य में आ रहे समस्याओं को निराकरण हेतु उपस्थित हरीश यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बेमेतरा को अपने विभाग स्तर पर समस्याओं का समाधान हेतु उच्च स्तरीय अधिकारियों को अवगत कराने के संबंध में चर्चा किया गया। उक्त कार्यशाला में न्यायालयीन स्टॉफ समस्त थाना के सीसीटीएनएस स्टॉफ की उपस्थिति रही।

# सरस्वती शिशु मंदिर समिति द्वारा बाल विज्ञान कार्यशाला का आयोजन

**दल्लीराजहरा।** प्रज्ञानाम बहु आयमी संस्था दल्ली राजहरा एवं सह संयोजक सरस्वती शिशु मंदिर समिति द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, प्रकृति संरक्षण प्रयोग एवं प्रदर्शनी के माध्यम से विज्ञान के अवधारणा को सरल भाषा में समझना एवं विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण जागृत करने के उददेश्य से प्रकृति शिक्षण विज्ञान यात्रा के टीम द्वारा बाल विज्ञान कार्यशाला का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर दल्लीराजहरा में किया जा रहा है। यह कार्य शाला में प्रयोग प्रदर्शन के अलावा रुढ़िवादी, अंधविश्वास निमूलन पर जादुई प्रयोग, भौतिक रसायन, गणितीय प्रयोग के साथ पर्यावरण पर विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रर्दशित किया जाएगा। जिसमें बालोद जिला के सभी विकास खण्डों के छात्र, छात्राएँ विज्ञान शिक्षक, शिक्षाविद सम्मिलित सम्मिलित होंगे। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यूट्यूब और फेसबुक में भी होगा। यह कार्यक्रम पूर्व माध्यमिक एवं उच्च कक्षाओं के स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए अत्यधिक आवश्यक है, जो की पूर्णता निःशुल्क है। कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए इन नंबरों पर संपर्क कर अपना स्थान सुनिश्चित सकते हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### जून 2026 से बंद होगा कुम्हारी टोल प्लाजा, रायपुर-दुर्ग मार्ग को जाम से मिलेगी बड़ी राहत

रायपुर। राजधानी रायपुर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम फैसला लिया गया है। रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने घोषणा की है कि जून 2026 से कुम्हारी टोल प्लाजा को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। इससे रायपुर, दुर्ग-भिलाई और आसपास के क्षेत्रों में रोजाना जाम की समस्या से जूझ रहे लाखों लोगों को राहत मिलेगी। गुरुवार को एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग, स्टेट हाईवे और राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद सांसद अग्रवाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैसे ही दुर्गङ्कआरंग बायपास का संचालन शुरू होगा, कुम्हारी टोल प्लाजा को बंद कर दिया जाएगा। इसके साथ ही मार्च 2026 के बाद किसी भी नए टोल टेंडर को मंजूरी नहीं देने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए हैं। बैठक में यह भी बताया गया कि अक्टूबर 2026 से भारतमाला परियोजना के तहत एक्सप्रेस-वे की शुरुआत की जाएगी। इसके चालू होने से रायपुर को आधुनिक एक्सप्रेस-वे कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे न केवल यातायात सुगम होगा बल्कि औद्योगिक गतिविधियों और आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी। सांसद अग्रवाल ने कहा कि यह निर्णय राजधानी और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए लिया गया है और इससे आने वाले वर्षों में आवागमन कहीं अधिक आसान और सुरक्षित हो सकेगा।

### धान खरीदी को सुचारू-पारदर्शी बनाने कई जिला में छापा

**रायपुर।** प्रदेश में धान खरीदी में गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। वही राइस मिलों पर शिकंजा कसा जा रहा है। बिचौलियों पर कार्रवाई करना हमारा उद्देश्य है। किसानों को हम इंसाफ दिला रहे हैं। खाद्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार आज तक एक लाख 7 हजार मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। अभी तक 22 हजार किसानों से धान खरीदा जा चुका है, जिसमें करोड़ों का भुगतान किया गया है। राज्य में मार्कफेड को इसके लिए नोडल एजेंसी तय किया गया है। जिसके माध्यम से धान की खरीदी की जा रही है। पहले एग्रीटेक पोर्टल बनाया गया। इसके पश्चात टोकन काटा गया है, जिसके पश्चात भुगतान किया जा रहा है। खाद्य विभाग के अनुसार धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू और पारदर्शी बनाने के लिए मुंगेली में पुलिस, खाद्य एव राजस्व विभाग द्वारा राइस मिलों में छापा मारा गया है। जिसमें अनियमितता का खुलासा हुआ है। 14 राइस मिल को बंद कर दिया गया है, वहीं दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम के धान उपार्जन केन्द्रों अनियमितता पाई गई है। अधिकारियों के अनुसार राज्य में 30 जनवरी तक धान की खरीदी की जाएगी अभी तक 20 लाख से अधिक किसानों ने अपना धान बेच दिया है। अब कस्टम मिलिंग सहित अन्य कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान फड़ प्रभारी एवं अन्य दोषी लोगों पर कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश में धान खरीदी गड़बड़ी के मामले में दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, सक्ती, जगदलपुर, रायपुर, गरियाबंद, महासमुंद तथा बलौदाबाजार जिलों में गड़बड़ी पाई गई। 12 जिलों में जांच के पश्चात 38 कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की गई है, एक की सेवा समाप्त कर दी गई है।

### सरायपाली क्षेत्र में 104 व्यक्तियों की सनातन धर्म में घर वापसी कराई - प्रबल प्रताप सिंह जूदेव

रायपुर। मां रूद्रेश्वरी की पावन धरा सरायपाली स्थित स्वामी सुमेधानंद वैदिक गुरूकुल कटंगपाली में महर्षि दयानंद मठ धर्मार्थ ट्रस्ट एवं सनातनियों के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित पांच दिवसीय संगीतमय वैदिक श्रीराम कथा एवं विश्व कल्याण महायज्ञ का आयोजन किया गया था जिसमें अखिल भारतीय घर वापसी प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव एवं भाजपा के उपाध्यक्ष ने विधिवत पैर पखारकर श्रद्धाभक्ति एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 50 से अधिक परिवारों लगभग 104 व्यक्तियों की पुन: सनातन धर्म में घर वापसी कराई। उक्त जानकारी प्रेसक्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, भाजपा प्रवक्ता राजीव चक्रवर्ती एवं कपिल शास्त्री ने संयुक्त रूप से दी। पत्रकारवार्ता में प्रबल ने बताया कि उक्त पावन अवसर पर कथावाचिका विदुषी अंजलि आर्या हरियाणा, श्री रविन्द्र दास महाराज, डॉ. कमलनारायण आर्य, आचार्य राकेश आर्य, ठाकुर राम चतुर्भुज आर्य, ऋषिराज, मदन अग्रवाल, श्रीमती अंजु गावेल, रिंकु सहित अनेक धार्मिक संगठन के लोग उपस्थित थे। प्रबल प्रताप के अनुसार राज्य एवं देश में धर्मांतरण तेजी से बढ़ रहा है और भारत के 800 जिलों में से 200 जिलों में हिन्दू अल्पमत में आ गए हैं। हमारे पिता स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव द्वारा किया गया घर वापसी अभियान निरंतर जारी रहेगा। देश सुरक्षित होना जरूरी है, छत्तीसगढ़ प्रदेश में जनजातीय क्षेत्रों के साथ ही शहरी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में धर्मांतरण हो रहा है। इसे रोकने के लिए विधानसभा के आगामी सत्र में धर्मांतरण रोकने के लिए कड़ा कानून लाया जाएगा। देश के समक्ष धर्मांतरण कराने वाली शक्तियों के विरूद्ध जनजागरण अभियान भी लगातार चलाया जा रहा है, जो भविष्य में भी जारी रहेगा।

---

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बच्चों से किया संवाद, बताया सफलता का मार्ग

# युवाओं के सपनों को पंख दे रही अरुणोदय कोचिंग-मुख्यमंत्री

- कहा-लक्ष्य निर्धारित करें, बड़े सपने देखें और उन्हें साकार करने के लिए पूरी निष्ठा और परिश्रम से जुट जाएं
- कलेक्टर को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नवीनतम पुस्तिकें खरीदने के दिए निर्देश
- डीएमएफराशि से शिक्षा क्षेत्र में दिख रहा सकारात्मक बदलाव

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज अपने सूरजपुर प्रवास के दौरान डीएमएफ फंड से स्थापित अरुणोदय कोचिंग इंस्टीट्यूट में अध्ययनरत विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी तैयारी, अनुभव और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली तथा संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों को नजदीक से देखा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को बताया गया कि अरुणोदय कोचिंग इंस्टीट्यूट एक पूर्णत: शासकीय एवं नि:शुल्क कोचिंग व्यवस्था है, जहां विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेषज्ञ मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री और शैक्षणिक सहयोग बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराया जाता है। यह पहल विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए आशा का केंद्र बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि इस कोचिंग संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों ने पीएससी, व्यापम, एसएससी, रेलवे, शिक्षक भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। इन सफलताओं ने न केवल विद्यार्थियों के जीवन की दिशा बदली है, बल्कि जिले की शैक्षणिक पहचान को भी सशक्त किया है। विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह परिणाम अरुणोदय कोचिंग इंस्टीट्यूट की सुदृढ़ शैक्षणिक योजना, समर्पित शिक्षकों और प्रशासनिक सहयोग का प्रतिफल है। उन्होंने संस्थान को जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताते हुए इसकी सराहना की। मुख्यमंत्री ने अरुणोदय कोचिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना, संचालन और प्रभावी प्रबंधन के लिए जिला प्रशासन को विशेष रूप से बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जब प्रशासनिक संकल्प और सामाजिक दायित्व एक साथ जुड़ते हैं, तो ऐसे सकारात्मक और दूरगामी परिणाम सामने आते हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने डीएमएफ फंड की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि यह फंड खनन से प्रभावित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास और वहां निवासरत लोगों के कल्याण के लिए प्रारंभ किया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि खनिज क्षेत्रों के युवाओं को शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीएमएफ फंड के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों से दूरस्थ और पिछड़े अंचलों में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। अरुणोदय कोचिंग इंस्टीट्यूट इसका सशक्त उदाहरण है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को ट्राइबल यूथ हॉस्टल, दिल्ली के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक विद्यार्थी वहां नि:शुल्क रहकर उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं, जिससे उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री ने रायपुर स्थित नालंदा परिसर की सुविधाओं के बारे में बताया कि वहां विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से अध्ययन की समृद्ध व्यवस्था उपलब्ध है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक सभी संसाधन एक ही स्थान पर उपलब्ध कराए गए हैं। नालंदा परिसर की सफलता को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के 34 स्थानों पर हाईटेक लाइब्रेरी के निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

## धान खरीदी में अनियमितता बर्दाश्त नहीं,दोषियों पर सख्त कार्रवाई जारी

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था के प्रति सरकार प्रतिबद्ध

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। सरकार की स्पष्ट नीति है कि धान खरीदी और भंडारण से जुड़े किसी भी स्तर पर अनियमितता, लापरवाही या गड़बड़ी को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में जिला बेमेतरा के धान संग्रहण केन्द्र सरदा-लेंजवारा में कुल 12,72,389.56 क्विंटल धान का भंडारण किया गया था। कलेक्टर बेमेतरा के निर्देशानुसार इस संग्रहण केन्द्र में भंडारित धान का भौतिक सत्यापन एवं गुणवत्ता परीक्षण के लिए राजस्व, खाद्य, मार्कफेड, नागरिक आपूर्ति निगम, सहकारिता, कृषि उपज मंडी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग सहित संबंधित विभागों का संयुक्त जांच दल गठित किया गया।संयुक्त जांच दल द्वारा 31 दिसंबर 2025 को संग्रहण केन्द्र सरदा-लेंजवारा का भौतिक सत्यापन किया गया। जांच के दौरान पाया गया कि भंडारित धान के स्टैक पूर्ण स्थिति में नहीं थे, धान के बोरे अव्यवस्थित रूप से बिखरे हुए थे तथा ऑनलाईन उपलब्ध स्टॉक की जानकारी और मौके पर उपलब्ध धान में गंभीर अंतर पाया गया।जांच में धान मोटा 4,209.19 क्विंटल एवं धान सरना 49,430.03 क्विंटल, कुल 53,639.22 क्विंटल धान की कमी पाई गई। इस संबंध में संयुक्त जांच दल द्वारा तैयार प्रतिवेदन शासन को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है।जांच प्रतिवेदन के आधार पर जिला विपणन अधिकारी बेमेतरा द्वारा संग्रहण केन्द्र सरदा-लेंजवारा के प्रभारी श्री नितीश पाठक, क्षेत्र सहायक को दिनांक 14 जनवरी 2026 से समस्त प्रभारों से मुक्त करते हुए उनके विरुद्ध निलंबन एवं विभागीय जांच संस्थित करने के आदेश जारी किए गए हैं।

### डाग बाइट्स पर राज्य सरकार को प्रभावितों को देना होगा बड़ा हर्जाना

**रायपुर।** हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश विक्रम नाथ ने कामन काज एवं अन्य स्वयं सेवी संगठनों द्वारा लगाई गई याचिका पर देश भर में कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट से दिशा निर्देश देने की मांग की थी। जिस पर न्यायमूर्ति नाथ ने मंगलवार को निर्णय देते हुए कहा कि राज्य सरकारों को एवं डाग लवर्स को कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों अथवा प्रभावितों को रेबिज की बीमारी से होने वाले नुकसान के लिए बड़ा हर्जाना देना होगा। स्वयं सेवी संगठनों के अनुसार देश में 30 से भी अधिक प्रभावितों की मौत कुत्तों के काटने से हुई है। राजधानी रायपुर की बात करे तो शहर में ऐसा कोई वार्ड नहीं है जहां रात को कामकाजी लोगों को आए दिन कुत्तों के काटने से प्रभावित होना पड़ता है।

राजिम कुंभ की तैयारियां तेज

## राजेश अग्रवाल ने नवा रायपुर स्थित आवासीय कार्यालय में की समीक्षा...

- राजिम कुंभ को गरिमा और भव्यता से संपन्न कराने दिए अधिकारियों को निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने नवा रायपुर स्थित आवासीय कार्यालय में राजिम कुम्भ (कल्प) मेला-2026 के तैयारियों की गहन समीक्षा की। श्री अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा, आवागमन, पार्किंग, बिजली और लाइटिंग पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने मेला क्षेत्र के प्रवेश मार्गों की मरम्मत, साफ-सफाई, अस्थाई शौचालय और चिकित्सा शिविर समय पर तैयार करने के आदेश दिए। भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक कंट्रोल और सुरक्षा के लिए विस्तृत प्लान बनाने को कहा। मेला स्थल पर सीसीटीवी कैमरे, कंट्रोल रूम और सुरक्षाकर्मियों की तैनाती प्रभावी बनाने पर जोर दिया। स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस, मोबाइल मेडिकल यूनिट और प्राथमिक उपचार केंद्र उपलब्ध कराने निर्देशित किया। मंत्री श्री अग्रवाल ने 1 से 15 फरवरी तक गरियाबंद जिले के त्रिवेणी संगम पर लगने वाले इस विशाल धार्मिक आयोजन को पूर्ण गरिमा, दिव्यता और भव्यता के साथ संपन्न करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री अग्रवाल ने सभी अधिकारियों को समय पर और पारदर्शी तरीके से हर व्यवस्था पूरी करने को कहा। उन्होंने जोर देकर कहा कि लाखों श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो। बैठक में सुरक्षा, स्वच्छता, जल प्रबंधन, सड़कें, पार्किंग, बसें, संतों के लिए विश्राम गृह, कांवड़ियों के शेड, चिकित्सा केंद्र, भोजन व्यवस्था, दाल-भात केन्द्र, पेयजल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भक्ति संगीत, लोकनृत्य, अखाड़ा जुलूस और मीना बाजार जैसी सभी सुविधाओं की बारीकी से जांच की गई।

## रायपुर देश में पहला शहर बना,जहां पार्थिवी सोसायटी में शुरू हुई वर्चुअल नेट मीटरिंग

- 60 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगा
- 20 परिवारों को बिजली बिल में मिलने लगी बड़ी राहत

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने देशभर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत एक नई मिसाल कायम की है। इस योजना के तहत रायपुर की पार्थिवी पैसिफिक सोसायटी में वर्चुअल नेट मीटरिंग (व्हीएनएम) का सफल संचालन होने से सोसायटी के फ्लैट में रहने वाले 20 परिवारों को बिजली बिल में बड़ी राहत मिलने लगी है। वर्चुअल नेट मीटरिंग सिस्टम स्थापित करने वाला रायपुर देश का पहला शहर बन गया है।वर्चुअल नेट मीटरिंग की इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा उन लोगों को हो रहा है, जो अपार्टमेंट या बहुमंजिला इमारतों में रहते हैं और जिनके पास छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होती। वर्चुअल नेट मीटरिंग के जरिए एक ही सोलर प्लांट से कई फ्लैट या परिवार बिजली का लाभ ले सकते हैं, जिससे उनका बिजली बिल काफी कम हो जाता है। पार्थिवी पैसिफिक सोसायटी में वर्चुअल नेट मीटरिंग की सफलता को देखते हुए छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी अब इस मॉडल को प्रदेश के अन्य शहरों और क्षेत्रों में भी स्थापित करने की पहल शुरू कर दी है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का कहना है कि यह परियोजना छत्तीसगढ़ में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता और अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ और हरित भारत के विजन से जुड़कर अब अधिक से अधिक लोग सौर ऊर्जा का लाभ उठा सकेंगे।पार्थिवी पैसिफिक रिहायशी सोसायटी में एक ही सोलर प्लांट से 20 फ्लैटों में रहने वाले परिवार बिजली का उपयोग कर रहे हैं, जिससे बिजली खर्च में भी बड़ी बचत हो रही है। यह सोलर प्रोजेक्ट कैपेक्स मॉडल पर लगाया गया है। यानी 20 परिवारों ने अपनी-अपनी राशि लगाकर सोलर प्लांट स्थापित किया और यह प्लांट पूरी तरह उन्हीं की संपत्ति है। पूरे प्रोजेक्ट की लागत करीब 24 लाख रुपये आई। प्रत्येक परिवार ने लगभग 1.20 लाख रुपये का निवेश किया है, जिसमें केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रुपये की सब्सिडी मिली।

### महाराष्ट्र में चुनाव के नतीजों ने साबित की मोदी मैजिक की प्रमाणिकता - किरण देव

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने महाराष्ट्र के स्थानीय निकायों के चुनाव नतीजों पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ये नतीजे महाराष्ट्र में मोदी मैजिक की प्रामाणिकता सिद्ध कर रहे हैं। निकाय चुनावों में भाजपानीत महायुति की शानदार जीत को उन्होंने महाराष्ट्र के सुशासन मॉडल की ऐतिहासिक जीत बताया और कहा कि सुशासन, विकास और सौहार्द्रता पर महाराष्ट्र की नगरीय व शहरी जनता ने अपनी मुहर लगाई है। डबल इंजन की सरकार पर उसने विश्वास व्यक्त किया है। सरकार के द्वारा किए गए विकास पर विश्वास किया है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की 29 महानगर पालिकाओं में से भाजपानीत महायुति ने 25 पर अपना परचम लहरा दिया है और बीएमसी में भी वह बम्पर जीत की ओर बढ़ रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि महाराष्ट्र के ये चुनाव नतीजे बहुत ही ऐतिहासिक हैं। प्रदेश सरकार के नेतृत्व में महायुति के निर्वाचित प्रतिनिधि एक-एक शहर में परिवर्तन लाएंगे। जनता जनार्दन ने सारे प्रकार के हथकण्डों को धता बताते हुए विकास और सुशासन पर भरोसा किया है और महागठबंधन को जनता ने महाठगबंधन करार दिया है। देव ने महाराष्ट्र की इस शानदार जीत पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस समेत पूरी प्रदेश सरकार और भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत आम जनता का एनडीए को आशीर्वाद है।

## पीएम सूर्य घर योजना के क्रियान्वयन में कोंडागांव की उल्लेखनीय उपलब्धि

- 500 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापना का लक्ष्य सफलता पूर्वक पूर्ण

रायपुर/ संवाददाता

कोंडागांव जिला नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया मिसाल कायम कर रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी और सुव्यवस्थित क्रियान्वयन से जिले में 500 घरों में रूफ्टॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस योजना के तहत लक्ष्य प्राप्ति में कोंडागांव जिला पूरे राज्य में अग्रणी है। यह भी उल्लेखनीय है कि अब तक 426 सौर संयंत्रों का विद्युत ग्रिड से सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन किया जा चुका है, जबकि शेष संयंत्रों को ग्रिड से जोड़ने का कार्य निरंतर प्रगति पर है। इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में उपभोक्ता प्रत्यक्ष रूप से सौर ऊर्जा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। यह उपलब्धि कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के सशक्त मार्गदर्शन, सतत निगरानी एवं प्रशासनिक प्रयासों का परिणाम है। उनके निर्देशानुसार नियमित समीक्षा और विभागीय समन्वय को सुदृढ़ किया गया तथा जनजागरूकता शिविरों के माध्यम से आम नागरिकों को योजना से जोड़ने के विशेष प्रयास किए गए, जिससे योजना से अधिक से अधिक हितगाही जुड़े। जिला प्रशासन द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया कि अधिक से अधिक पात्र नागरिकों तक योजना का लाभ पहुँचे तथा सब्सिडी, तकनीकी सहायता एवं प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी एवं सुगम बनाया जाए। इस अभियान में विद्युत विभाग की तकनीकी दक्षता एवं नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से कोंडागांव हरित ऊर्जा की दिशा में अग्रसर एक आदर्श जिला के रूप में स्थापित हुआ है। सौर ऊर्जा के उपयोग से जहाँ उपभोक्ताओं के विद्युत व्यय में उल्लेखनीय कमी आई है, वहीं पर्यावरण संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन में कमी जैसे सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। जिला प्रशासन द्वारा इस उपलब्धि को और विस्तार देते हुए कोंडागांव को छत्तीसगढ़ का अग्रणी सोलर जिला बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रखे जाएंगे।

ऑक्सीजोन,लाइब्रेरी और इंफ्रास्ट्रक्चर से बदलेगी शहर की पहचान

## रायगढ़ में विकास परियोजनाओं की प्रगति का वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने किया निरीक्षण..

- एक वर्ष में धरातल पर आएंगी कई बड़ी योजनाएं; लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की विकासोन्मुखी दृष्टि के अनुरूप रायगढ़ शहर को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में राज्य सरकार तेजी से काम कर रही है। इसी क्रम में वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी ने आज शहर में निर्माणाधीन विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया और उनकी प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। श्री चौधरी ने अधिकारियों और इंजीनियरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि अधिकांश परियोजनाएं तेज गति से आगे बढ़ रही हैं और अगले एक वर्ष के भीतर कई महत्वपूर्ण कार्य दृश्यमान हो जाएंगे। निरीक्षण के दौरान महापौर श्री जीवर्धन चौहान, कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिजीत बबन पठारे, नगर निगम आयुक्त श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। वित्त मंत्री ने शहर के इतवारी बाजार और कबीर चौक में बन रहे ऑक्सीजोन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ये हरित क्षेत्र नागरिकों को स्वच्छ, शांत और सुरक्षित वातावरण प्रदान करेंगे तथा योग, सैर और व्यायाम जैसी गतिविधियों के लिए आदर्श स्थल बनेंगे। शहर में ओवरब्रिजों पर बनाए जा रहे भित्तिचित्रों और कलात्मक पेंटिंग की गुणवत्ता की सराहना करते हुए उन्होंने इसे रायगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने वाली पहल बताया। वित्त मंत्री ने नालंदा परिसर में 40 करोड़ रुपए की लागत से बन रही अत्याधुनिक लाइब्रेरी की प्रगति का भी जायजा लिया।

## संपादकीय

# एसआईआर पर बढ़ता विवाद, व्यवस्था के कठघरे में खड़े हो गए मतदाता

नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन को नोटिस भेजे जाने पर पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया एक बार फिर विवादों में है। गौरतलब है कि इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना था। आरोप लग रहे हैं कि इसमें मतदाताओं को ही उलझा दिया गया है।अब न तो मानवीय संवेदना का ध्यान रखा जा रहा है और न ही मर्यादा का। यहां तक कि प्रशासनिक जवाबदेही तक नजर नहीं आती। कुछ समय पहले एसआइआर से संबंधित सुनवाई के लिए बीमार और बुजुर्ग मतदाताओं को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने के लिए कहा गया। जब इसकी शिकायत होने लगी, तो जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि बुजुर्ग, बीमार और दिव्यांग मतदाताओं को सुनवाई के लिए न बुलाया जाए और उनके आवास पर ही सत्यापन किया जाए। मतदाता सूची को दुरुस्त करने के दौरान जो प्रक्रिया अपनाई गई उससे मतदाताओं को खासी परेशानी हुई। यह सिलसिला थमा ही था कि अब चुनाव आयोग ने अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को नोटिस जारी कर दिया। कहा गया कि सेन की ओर से प्रस्तुत प्रपत्र में विसंगतियां पाई गई हैं। आयोग का तर्क है कि उनके और उनकी माता अमिता सेन की उम्र में 15 साल से भी कम अंतर है- ऐसा कैसे संभव है।सवाल यह है कि पर्यवेक्षण के दौरान भरे गए उनके प्रपत्र में आखिर किस स्तर पर गलती हुई। पश्चिम बंगाल में वर्ष 2002 की मतदाता सूची को आधार बनाया गया है। उस सूची में अमिता सेन की उम्र 88 वर्ष दर्ज है। इस बार की मसविदा सूची में अमर्त्य सेन की उम्र 92 वर्ष लिखी गई है। आशय यह कि वे 2002 में 69 साल के थे। इस नाते उनकी और उनकी मां की उम्र में 19 साल का फर्क है।सवाल यह है कि 2002 की सूची से इतर आंकड़ा किस स्तर पर प्रपत्र में भरा गया? अमेरिका में रह रहे अमर्त्य सेन को शांति निकेतन स्थित उनके आवास पर नोटिस भेजा गया है। उन्हें अब अपनी मां से संबंधित दस्तावेज पेश करने होंगे, ताकि मतदाता सूची में उनका नाम बरकरार रह सके। अगर वैश्विक पहचान रखने वाले अमर्त्य सेन के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाएगा, तो फिर आम मतदाताओं की कौन सुनेगा?

# लक्षद्वीप में बढ़ते पर्यटन के साथ गहरा होता कचरा संकट

**लक्षद्वीप में कचरे का संकट दिन-ब-दिन गंभीर होता जा रहा है। सामुदायिक कूड़ेदान हटा दिए गए हैं और अब कचरा समुद्र के पास खुले डंपिंग यार्ड में जमा किया जा रहा है। पर्यटकों की संख्या में उछाल, प्लास्टिक का बढ़ता इस्तेमाल और समुचित योजना नहीं होने से कचरा निपटान की समस्या और गंभीर बन गई है जिसका असर समुद्र तट, लैगून और निवासियों की रोजमर्रा की जिंदगी पर दिख रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण अब मछलियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है। इस समस्या के लिए स्थानीय लोग प्रशासनिक नाकामियों और लचर कचरा-प्रबंधन प्रणाली को जिम्मेदार ठहराते हैं।**

दिनेश जसौंदी

लक्षद्वीप प्रशासन ने साल 202× में द्वीप की जैव-विविधता को फिर से बहाल करने के तौर-तरीकों पर एक प्रतियोगिता आयोजित की थी। इसमें पुरस्कार जीतने वाली लघु फिल्म ने लोगों को इधर-उधर कचरा फेंकने की बजाए सामुदायिक कूड़ेदान का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया था।

दो साल बाद, एक अन्य वीडियो में दिखाया गया कि ये सामुदायिक कूड़ेदान हटा दिए गए हैं। वीडियो पोस्ट करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सबिथ पी.के. ने कहा, यह विडंबना लक्षद्वीप में कचरा प्रबंधन से जुड़े संकट को दिखाती है।

लक्षद्वीप की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार भारत का यह सबसे छोटा केंद्र शासित प्रदेश ×6 द्वीपों से मिलकर बना है। इनमें से 10 द्वीपों पर आबादी है। पिछले कुछ सालों में, अरब सागर में स्थित चागोस रिज का हिस्सा रहे इस द्वीपसमूह के कई द्वीप निजी कंपनियों को पट्टे पर दिए गए हैं। उदाहरण के तौर पर, सुहेली द्वीप को लैगून विला के लिए एक निजी होटल को पट्टे पर दिया गया है। वहीं निर्जन द्वीप बंजरम और थिन्नकारा को रिसॉर्ट पर्यटन के लिए पट्टे पर दिया गया है।

सबिथ कहते हैं कि लक्षद्वीप में कचरा निपटान की लचर व्यवस्था सबसे तात्कालिक समस्या बन गई है। यहां जमीन सीमित है और लगभग सभी चीजें मुख्य भूमि से प्लास्टिक और दूसरे नॉन-बायोडिग्रेडेबल चीजों में लपेटकर लाई जाती हैं। सबिथ राजनीतिक और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए छोटे वीडियो और व्लॉग का इस्तेमाल करते हैं।

दिसंबर 2020 में प्रफुल्ल पटेल के केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक के तौर पर कार्यभार संभालने से पहले, लक्षद्वीप में कचरा इकट्ठा करने की व्यवस्था बहुत पुरानी थी। पर्यावरण और वन विभाग के तहत काम करने वाले सफाई कर्मचारी सभी 10 आबाद द्वीपों में कचरा इकट्ठा करते थे। इकट्ठा किए गए कचरे को हर द्वीप पर कचरा रखने वाले मुख्य स्थल में ले जाया जाता था जो स्थानीय निवासियों से लीज पर ली गई जगहों पर बने थे। यहां कचरे को छांटा जाता था। जो कचरा रीसायकल नहीं हो पाता था, उसे अनुबंध वाले खरीदारों के जरिए मुख्य भूमि पर वापस भेज दिया जाता था, जबकि डायपर और सैनिटरी नैपकिन जैसी चीजों को स्थानीय स्तर पर जला दिया जाता था, क्योंकि उन्हें वापस लेने से इनकार कर दिया जाता था।

फिर 2021 में सामुदायिक कूड़ेदानों में जमा होने वाले कचरे का प्रबंधन करने के लिए निविदा सूचना जारी की गई, जिसमें बताया गया कि दस आबाद द्वीपों

पर कुल ×,7×7 कूड़ेदान लगाए गए थे और इनसे हर दिन लगभग 12 टन प्लास्टिक/ठोस कचरा निकलता था। पूर्व में सफाईकर्मी रह चुके हबीब के अनुसार यह व्यवस्था भी खामियों से भरी थी। उन्होंने कहा, तब भी कचरा अलग-अलग करने की प्रक्रिया में दिक्कतें आती थी। वेंडर अक्सर डायपर या सैनिटरी पैड जैसी चीजों को मुख्य भूमि पर भेजने से इनकार कर देते थे। जिस कचरे को वे ले जाने के लिए तैयार होते थे, उसमें भी परिवहन संबंधी दिक्कतों के कारण देरी होती थी। पिछले चार सालों से लक्षद्वीप से कोई कचरा बाहर नहीं भेजा गया है। सभी कचरा डिपो में इंसीनेरेटर लगाए गए थे, लेकिन पिछले आठ सालों से ये सभी बंद पड़े हैं।

हबीब उन ×,500 कर्मचारियों में शामिल थे जिन्हें मार्च 2022 में बड़े पैमाने पर नौकरी से निकाल दिया गया था। अब वह नारियल के बागानों में काम करते हैं और अपने कई पुराने साथियों की तरह मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। कर्मचारियों को निकाले जाने के बाद पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने 2021 में कचरा प्रबंधन की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंप दीं। दो दशक पहले भी यही व्यवस्था थी। हालांकि, कचरा उठाने के काम को ठेका पर देने की नाकाम कोशिश के बाद, पंचायतों ने सड़कों से सामुदायिक कूड़ेदान हटा दिए। किल्टन में रहने वाले सामाजिक कार्यकर्ता महदा हुसैन ने कहा, अब हफ्ते में सिर्फ एक बार एक गाड़ी घरों से कचरा इकट्ठा करती है और इसे बिना अलग किए कचरा डिपो में डाल देती है। शुरुआती स्तर पर कचरा अलग-अलग नहीं किए जाने की वजह से ष्टलष्ठ डंपिंग यार्ड बन गया है, जिसका पारिस्थितिकी पर गंभीर दुष्प्रभाव हो रहा है। कभी-कभी तो कचरे के ढेर में आग लग जाती है, जिससे नुकसान बड़ा हो जाता है।

पिछले साल जुलाई में, हुसैन ने ष्टलष्ठ में लगी आग के बाद पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में शिकायत की थी। मंत्रालय ने इसे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और लक्षद्वीप प्रदूषण नियंत्रण समिति को भेज दिया था।

पहले चेतलत में रहने वाली और अब मिनिकॉय की फातिमा कुरैशा ने कहा कि मंत्रालय के सख्त निर्देशों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कचरे का ढेर बड़ा होता जा रहा है और इससे कचरा समुद्र में जा रहा है, क्योंकि यार्ड तट के पास है।

कचरा प्रबंधन व्यवस्था के नाकाम होने के साथ ही द्वीपों पर बड़ा बदलाव भी हुआ है- पर्यटन में जबरदस्त तेजी आई है। पर्यटकों की संख्या में इस तेजी से पहले से ही खराब सिस्टम पर और दबाव बढ़ा दिया है।

हाल के सालों में, लक्षद्वीप में सैलानियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अप्रैल से जून 2024 के बीच द्वीपों पर आने वाले पर्यटकों की संख्या में साल-दर-साल के हिसाब से 107 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। 2024 में इस अवधि के दौरान 22,990 सैलानी आए, जबकि 202× में इसी अवधि में यह तादात 11,074 थी। ट्रैवल प्लेटफॉर्म मेक माय ट्रिप ने भी लक्षद्वीप के लिए ऑनलाइन सर्च में ×,400 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जानकारी दी है। आगत्ती के एक टूर ऑपरेटर ने सरकार की कार्रवाई के डर से नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया, आम धारणा यह है कि लक्षद्वीप में कचरे का संकट पर्यटन की वजह से और बढ़ गया है, लेकिन यह अकेला कारण नहीं है। उन्होंने कहा, बंगाराम को छोड़कर, 2000 के दशक तक लक्षद्वीप में पर्यटन सीमित था। हाल के सालों में इसमें तेजी आई है, क्योंकि भारत सरकार इन द्वीपों पर पर्यटन को बढ़ाना चाहती है। भारत और मालदीव के बीच कूटनीति तनाव के दौरान 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी लक्षद्वीप का दौरा किया था। लेकिन यह बढ़ोतरी बिना किसी योजना या तैयारी के हुई। अकेले आगत्ती के दक्षिणी हिस्से में कम से कम 89 रिसॉर्ट और कमरे हैं। हर फैसिलिटी को हर कमरे में रोजाना कम से कम दो बोतलबंद पानी देना होता है। इसका मतलब है कि हर दिन सैकड़ों सिंगल-यूज बोतलें फेंकी जाती हैं। फिर भी, यहां बोतल क्रशर नहीं हैं और ना ही कचरा फेंकने के लिए कोई तय जगह है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार हर सैलानी से प्रतिदिन 200 की हेरिटेज फीस लेती है, लेकिन उनका दावा है कि इस रकम का आज तक इस्तेमाल नहीं किया गया है। आगत्ती के एक मछुआरे मुहम्मद शाहजहां ने कहा, गैर-सरकारी या स्थानीय क्लब कभी-कभी बीच की सफाई करते हैं और इसके अलावा कोई व्यवस्था काम नहीं कर रही है। मछुआरे होने के नाते, हम अक्सर तटों के किनारे से कचरा उठाते हैं, लेकिन सामुदायिक कूड़ेदान नहीं होने से यह भी मुश्किल हो जाता है। कवरत्ती के गोताखोर समीर अमन ने कहा, पानी के अंदर हर जगह डाइपर पड़े हैं। पर्यटन बढ़ने से पहले भी, गोताखोर बिना सोचे-समझे कचरा फेंकने और कचरा प्रबंधन में खामियों की शिकायत करते थे। हम इसे द्वीपों में अपनी गोताखोरी के दौरान सबसे पहले देखते हैं। हम अपनी तरफ से सफाई करने की पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन अब हालात से निपटने के लिए बड़ी, संगठित कोशिश की जरूरत है। पिछले कुछ दशकों में पर्यटन के अलावा मछली पालन सेक्टर भी तेजी से बढ़ा है। मछली का उत्पादन 1950 के दशक में लगभग 500 टन से बढ़कर 2024-25 में 16,891 मीट्रिक टन हो गया है। तटों पर प्लास्टिक की मौजूदगी पर साल 2020 में किए गए एक अध्ययन में यह नतीजा निकला कि लक्षद्वीप में प्लास्टिक प्रदूषण की दो मुख्य वजहें मछली पकड़ना और पर्यटन हैं। अब, तेजी से पर्यटन बढ़ने और कचरे की बढ़ती मात्रा का असर मछली पालन पर भी पड़ने लगा है। लक्षद्वीप में रहने वाले समुद्री सामाजिक-पारिस्थितिकी के अध्येता जॉन एडम ने कहा, पिछले कुछ सालों में, पर्यटन की वजह से द्वीपों पर पैदा होने वाले कचरे की मात्रा तेजी से बढ़ी है। कचरे के प्रबंधन में खामियों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। हालांकि, पर्यटन की तुलना में मछली पालन सेक्टर बहुत कम कचरा पैदा करता है, लेकिन इस प्रदूषण से वहां दिक्कते पैदा हो रही हैं। समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र और उन पर निर्भर आजीविका इसका खामियाजा भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि द्वीपों पर प्लास्टिक बहुत 'यादा जमा हो गया है और इसका माइक्रोप्लास्टिक में बदलना समुद्री खाद्य श्रृंखला के लिए खतरा है। जब प्लवक (प्लैंकटन) इन माइक्रोप्लास्टिक को खा लेते हैं, तो वे तेजी से खाद्य श्रृंखला में ऊपर आते हैं और आखिर में इंसानों तक पहुंच जाते हैं। एनवायरनमेंटल साइंस एंड पॉल्यूशन रिसर्च में पब्लिश एक अध्ययन के मुताबिक कवरत्ती के आसपास स्किपजैक टूना मछली की आंतों में माइक्रोप्लास्टिक पाए गए हैं। यह लक्षद्वीप के लिए चिंताजनक है, जहां टूना प्रोसेसिंग, कैनिंग और निर्यात कुछ ही कामयाब आर्थिक गतिविधियों में से हैं। पहले, लक्षद्वीप में मेडिकल कचरे के निपटान की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों के पास ही थी। किल्टन के वरिष्ठ सफाई कर्मचारी अब्दुल सलाम ने बताया कि निपटान के लिए कोई खास सुविधा न होने से इस कचरे को दूसरे सामानों के साथ मुख्य कचरा डिपो में फेंक दिया जाता था। कुछ साल पहले, कर्मचारियों ने बिना सही उपकरण या सुरक्षा गियर के खतरनाक कचरे को अलग करने से इनकार कर दिया था।

## पाक और बांग्लादेश में हिंदू लहूलुहान हो रहे हैं और दुनिया खामोशी से तमाशा देख रही है

(नीरज कुमार दुबे)

बांग्लादेश में हालात और भी भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं। बीते कुछ ही दिनों में वहां हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। छत्तोग्राम में एक हिंदू किशोरी का शव मिलने की घटना ने समाज को हिला कर रख दिया।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत से आई एक खबर ने पूरे दक्षिण एशिया की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। एक गरीब हिंदू किसान को केवल इसलिए गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया गया क्योंकि उसने अपनी जमीन पर झोपड़ी बनाने का साहस कर लिया था। यह हत्या किसी अंधेरी गली में नहीं बल्कि खुले आम ताकत और दहशत के प्रदर्शन के रूप में हुई। मृतक किसान वर्षों से उसी जमीन पर रह रहा था, लेकिन स्थानीय प्रभावशाली व्यक्ति ने अपने रसूख और हथियार के बल पर कानून को कुचल दिया। इस निर्मम हत्या के बाद सिंध के कई इलाकों में भारी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। सड़कों पर उतरे हजारों लोगों ने नारे लगाए, रास्ते जाम किए और इंसाफ की मांग की। यह आक्रोश केवल एक व्यक्ति की हत्या का नहीं बल्कि दशकों से दबे हुए भय और अपमान का विस्फोट था। उधर, बांग्लादेश में हालात और भी भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं। बीते कुछ ही दिनों में वहां हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। छत्तोग्राम में एक हिंदू किशोरी का शव मिलने की घटना ने समाज को हिला कर रख दिया। आशंका है कि उसके साथ बलात्कार के बाद हत्या की गई। यह कोई एक मामला नहीं है बल्कि कुछ ही दिनों में हिंदुओं की कई हत्याओं की खबरें आई हैं। मंदिरों में तोड़फोड़, घरों में आगजनी, महिलाओं के साथ हिंसा और डर का माहौल वहां की रोजमर्रा की स'चाई बनता जा रहा है। भारत ने इन घटनाओं पर कड़ी चिंता जताई है और बांग्लादेश सरकार से त्वरित और कठोर कार्रवाई की मांग की है। लेकिन जमीनी स'चाई यह है कि पीड़ितों को न सुरक्षा मिल रही है और न न्याय का भरोसा।

पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों ही देशों से आ रही ये खबरें यह साफ करती हैं कि वहां हिंदू अल्पसंख्यक होना आज भी एक खतरे के साथ जीने जैसा है। यह केवल कानून व्यवस्था की विफलता नहीं बल्कि देश और समाज दोनों की नैतिक हार है।

देखा जाये तो सिंध के उस किसान की लाश और छत्तोग्राम की उस किशोरी का शव सिर्फ दो खबरें नहीं हैं। वे दक्षिण एशिया के उस आईने की तरह हैं जिसमें कट्टरता, असहिष्णुता और सत्ता के संरक्षण में पनपती हिंसा साफ दिखाई देती है। पाकिस्तान में हिंदुओं पर अत्याचार कोई नई बात नहीं है। जबरन धर्म परिवर्तन, जमीन हड़पना, झूठे मुकदमे और अब खुलेआम हत्या। यह सब उस देश में हो रहा है जो खुद को इस्लामी गणरा'य कहता है और बराबरी का दावा करता है। सवाल यह है कि क्या वहां हिंदू की जान की कोई कीमत है? सबसे चिंताजनक पहलू अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी है। मानवाधिकार की दुहाई देने वाले वैश्विक मंच, शक्तिशाली देश और संस्थाएं इन घटनाओं पर या तो औपचारिक बयान देकर चुप हो जाते हैं या पूरी तरह नजरें फेर लेते हैं। यह चुप्पी बहुत कुछ कहती है। यह दर्शाती है कि मानवाधिकार अब नैतिक मूल्य नहीं बल्कि सुविधा के अनुसार इस्तेमाल होने वाला हथियार बन चुके हैं। जहां आर्थिक हित, सामरिक समीकरण या राजनीतिक लाभ आड़े आते हैं, वहां इंसानी जान की कीमत शून्य हो जाती है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह चुप्पी पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों को और दुस्साहसी बनाती है। जब उन्हें पता होता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई ठोस दबाव नहीं बनेगा, तो अल्पसंख्यकों पर अत्याचार एक नियमित प्रक्रिया बन जाती है। भारत को इस विषय पर स्पष्ट, कठोर और निरंतर रुख अपनाना होगा। केवल बयान देना पर्याप्त नहीं है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को बार बार उठाना होगा, तथ्यों के साथ और दबाव के साथ। कूटनीति में शिष्टता जरूरी है लेकिन अन्याय के सामने नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। भारत को यह भी साफ कहना होगा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा किसी देश का आंतरिक मामला नहीं बल्कि सभ्य समाज की कसौटी है। (यह लेखक के अपने विचार है)

# गर्म चाय जानलेवा है!, नई रिपोर्ट में डराने वाला खुलासा, एसोफेजियल कैंसर का भी खतरा

**चाय हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा है, लेकिन दिन में चार से पांच कप से 'यादा चाय पीना सेहत के लिए खतरनाक है। चाय में कैफीन और टैनिन होते हैं, जो थोड़ी मात्रा में फायदेमंद होते हैं, लेकिन 'यादा होने पर पेट, दिल और नींद पर बुरा असर डाल सकते हैं। हार्वर्ड हेल्थ और मेयो क्लिनिक की रिपोर्ट के अनुसार, 'यादा चाय पीने से पेट में गैस, एसिडिटी और जलन की समस्या बढ़ सकती है। जबकि टैनिन की वजह से आयरन की कमी भी हो सकती है, जिससे एनीमिया का खतरा होता है। चाय हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा है, लेकिन दिन में चार से पांच कप से 'यादा चाय पीना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। चाय में कैफीन और टैनिन होते हैं, जो थोड़ी मात्रा में फायदेमंद होते हैं, लेकिन 'यादा होने पर पेट, दिल और नींद पर बुरा असर डाल सकते हैं।**

जितेंद्र नागपुरे

हार्वर्ड हेल्थ और मेयो क्लिनिक की रिपोर्ट के अनुसार, 'यादा चाय पीने से पेट में गैस, एसिडिटी और जलन की समस्या बढ़ सकती है, जबकि टैनिन की वजह से आयरन की कमी भी हो सकती है, जिससे एनीमिया का खतरा होता है। इसके अलाव, लोगों के अंदर एसोफेजियल कैंसर होने का खतरा भी बढ़ जाता है। गर्म चाय गले के लिए भी नुकसानदायक गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉक्टर के अनुसार, बहुत गर्म चाय पीने से गले की कोशिकाओं को नुकसान पहुंच सकता है और एसोफेजियल कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है। लगातार 'यादा चाय पीने से सिरदर्द, बेचैनी, नींद न आना और दिल की धड़कन तेज होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ब'चों, गर्भवती महिलाओं और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य मंत्रालय की राय है कि चाय की मात्रा नियंत्रित रखें, धीरे-धीरे कम करें और हर्बल टी जैसे हेल्दी विकल्प अपनाएं।

**अधिक चाय पेट संबंधी समस्याओं को देता है दावत:** हार्वर्ड हेल्थ और मेयो क्लिनिक की रिपोर्ट के अनुसार, चाय में कैफीन और टैनिन मौजूद होता है। ये दोनों चीजें पेट में एसिड की मात्रा बढ़ा सकती हैं, पेट की अंदरूनी परत को जलन दे सकती हैं और एसिड रिफ्लक्स या सीने में जलन का कारण बन सकती हैं। खासकर खाली पेट चाय पीने या बहुत 'यादा मात्रा में चाय लेने से ये समस्याएं और बढ़ जाती हैं।

चाय की मात्र कम करें, खाली पेट न पीएं

रिपोर्ट के अनुसार, कैफीन वाली चाय और कॉफी पेट में एसिड प्रोडक्शन को बढ़ाती है और लोअर एसोफेजियल स्फिंक्टर को ढीला कर देती है, जिससे एसिड ऊपर आकर सीने में जलन पैदा करता है। वहीं, मेयो क्लिनिक के अनुसार, कैफीन और एसिडिक ड्रिंक्स एसिडिटी, गैस और पेट की जलन को ट्रिगर कर सकते हैं, खासकर जिसे पहले से पाचन विकार, अपच या बदहजमी की समस्या हो। ऐसे में,

डॉक्टरों के सुझाव के अनुसार, अगर आपको ऐसी परेशानी होती है, तो चाय की मात्रा कम करें, खाली पेट न पीएं और अगर समस्या 'यादा हो तो डॉक्टर से सलाह लें। संतुलित मात्रा में चाय पीना आमतौर पर फायदेमंद होता है, लेकिन 'यादा होने पर नुकसान भी कर सकता है।

डॉक्टरों की चेतावनी गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉ. राकेश कुमार के अनुसार, ब'चे, गर्भवती महिलाएं और बीमार लोग चाय पीने से 'यादा सावधान रहें। पहले से एनीमिया या नींद की समस्या वालों को डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। इसके अलावा चाय की मात्रा नियंत्रित, धीरे-धीरे कम करना और हर्बल टी या ग्रीन टी जैसे हेल्दी विकल्प अपनाएं पर डॉक्टरों ने जोर दिया है।

चार कप से 'यादा चाय पीने के मुख्य नुकसान -पेट की समस्या- 'यादा चाय पीने से गैस, एसिडिटी और जलन की समस्या हो सकती है। -नींद पर असर- अत्यधिक कैफीन सिरदर्द, बेचैनी और नींद न आने की वजह बन सकता है। -एनीमिया का खतरा- चाय में मौजूद टैनिन आयरन को अवशोषित होने से रोकते हैं, जिससे आयरन की कमी हो सकती है। कैंसर का रिस्क- बहुत गर्म चाय पीने से गले की कोशिकाओं को नुकसान हो सकता है और एसोफेजियल कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। हड्डियों और दांतों पर असर- लंबे समय तक 'यादा चाय पीने से दांत पीले पड़ सकते हैं और फ्लोराइड की अधिकता हड्डियों को नुकसान पहुंचा सकती है।

## कलेक्टर ने छिंदगढ़ के शासकीय संस्थानों का किया सघन निरीक्षण

# स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के दिए निर्देश

**सुकमा।** जिले में शासकीय सेवाओं की गुणवत्ता और प्रशासनिक कसावट सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर अमित कुमार ने छिंदगढ़ विकासखंड का औचक दौरा किया। जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर की उपस्थिति में हुए इस निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कुकानार और रोकेल के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छिंदगढ़ का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की कोई कमी न हो और सभी कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर समय से उपस्थित रहें। प्रशासनिक सक्रियता का परिचय देते हुए उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों में पारदर्शी व्यवस्था के लिए ड्यूटी रोस्टर चस्पा करने और मूलभूत सुविधाओं को तत्काल दुरुस्त करने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर अमित कुमार की संवेदनशीलता उस समय दिखी जब उन्होंने जनरल वार्ड में भर्ती मरीज सुकल दास और पोषण पुनर्वास केंद्र में उपचाराधीन 5 वर्षीय बालक ईड़मा से सीधे संवाद किया। वार्ड के चप्पे-चप्पे का अवलोकन करते हुए उन्होंने ओपीडी, लैब, फॉर्मेसी, जनरल वार्ड, फीमेल वार्ड, डिलीवरी वार्ड और एनआरसी केंद्र में उपलब्ध महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। अस्पताल में भर्ती मरीजों ने कलेक्टर को बताया कि उन्हें समय पर भोजन और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल रहा है, जिस पर संतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने बीएमओ को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं का यही स्तर निरंतर बना रहना चाहिए ताकि अंतिम छोर के व्यक्ति को भी बेहतर उपचार मिल सके। स्वास्थ्य केंद्रों के साथ-साथ कलेक्टर ने विकास कार्यों की प्रगति का भी अवलोकन किया। उन्होंने रोकेल पंचायत में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन, प्रधानमंत्री आवास और पंचायत भवन का भौतिक सत्यापन किया। निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की चेतावनी देते हुए उन्होंने अधिकारियों को कार्यों में पूर्ण गुणवत्ता सुनिश्चित करने और निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। कलेक्टर के इस मैदानी दौरे से न केवल शासकीय अमले में तत्परता बढ़ी है, बल्कि आम जनता के बीच भी प्रशासन के प्रति सकारात्मक विश्वास सुदृढ़ हुआ है।

# मर्दापाल तहसील क्षेत्र की समस्याओं के समाधान को लेकर सीपीआई ने सौंपा ज्ञापन

**कोण्डागांव।** जिले की नारायणपुर विधानसभा में शामिल नवीन तहसील मर्दापाल क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) जिला परिषद् कोण्डागांव ने रैली निकालकर तहसीलदार मर्दापाल को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन राज्यपाल छत्तीसगढ़ को संबोधित था। सीपीआई कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने मर्दापाल साप्ताहिक बाजार स्थित ग्राम पंचायत के समीप मैदान से तहसील कार्यालय तक नारेबाजी करते हुए रैली निकाली। रैली के माध्यम से क्षेत्र में व्याप्त विकास संबंधी समस्याओं की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि, आदिवासी बहुल बस्तर संभाग के अंतर्गत आने वाले मर्दापाल तहसील क्षेत्र के कई गांव संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील होने के कारण अब तक विकास से वंचित रह गए हैं। दुर्गम एवं पहुंचविहीन क्षेत्र होने से यहां शिक्षा, संसाधन, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी है। कई गांवों में आज भी वनाधिकार पत्र, विद्युत सुविधा और शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध नहीं हैं, जिससे क्षेत्र सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़ा बना हुआ है। सीपीआई जिला परिषद् कोण्डागांव द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में प्रमुख मांगों में वर्ष 2008 से अब तक पात्र होने के बावजूद वनाधिकार प्रपत्र से वंचित सभी हितग्राहियों को शीघ्र वनाधिकार पट्टे प्रदान किए जाएं। ग्रामीण विद्युतीकरण योजना से वंचित सभी गांवों के प्रत्येक पारा-मोहल्ले एवं घरों में जल्द से जल्द बिजली पहुंचाई जाए। क्षेत्र में पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध न होने से उच्च शिक्षा से वंचित रह गए स्थानीय शिक्षित बेरोजगारों को तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी की शासकीय नियुक्तियों में प्राथमिकता दी जाए। क्षेत्र में उपलब्ध गौण एवं अन्य खनिज संपदा का उत्खनन केवल स्थानीय सहकारी समितियों अथवा सार्वजनिक उपक्रमों के माध्यम से कराया जाए।

# कड़ाके की ठंड में प्रशासन की बुलडोजर कार्यवाही सैकड़ों लोग खुले आसमान तले ठिठुरने को मजबूर

**बीजापुर।** भीषण शीतलहर के बीच प्रशासन की सख्त कार्रवाई ने दर्जनों परिवारों को सड़क पर ला खड़ा किया है। अवैध अतिक्रमण हटाने के नाम पर चली बुलडोजर कार्रवाई में कई मकान ध्वस्त कर दिए गए, जिसके बाद प्रभावित लोग कड़ाके की ठंड में खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर हो गए हैं। मामला बीजापुर के नया बस स्टैंड के पीछे का है जहाँ कई। नक्सल पीडित बेगार लोग कई वर्षों के निवास कर रहे थे जिस पर प्रशासन कारवाही करते हुए तकरीबन 100 से अधिक मकानो को ध्वस्त कर दिये। स्थानीय निवासियों के अनुसार, प्रशासन ने अचानक कार्रवाई की और वैकल्पिक आवास या पुनर्वास की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग इस भीषण ठंड में ठिठुरते नजर आ रहे हैं। कई परिवारों ने बताया कि वे वर्षों से वहां रह रहे थे, लेकिन नोटिस मिलने के कुछ ही दिनों बाद बुलडोजर चला दिया गया। एक पीड़ित महिला ने बताया, हमारे घर तोड़ दिए गए, सामान मलबे में दब गया। रात में आग जलाकर बच्चे ठंड से बचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ठंड इतनी है कि नींद नहीं आती। प्रशासन ने कहा था विकास होगा, लेकिन हमारा विकास कहां हुआ?

**यह घटना एक बार फिर सवाल उठाती है** – विकास के नाम पर गरीबों को उजाड़ना कितना उचित है, खासकर जब मौसम इतना प्रतिकूल हो।

# गरीबों के मकानों पर बुलडोजर कार्यवाही चिंता जनक : विक्रम मंडावी

**बीजापुर।** बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी न्यू बस स्टैण्ड बीजापुर के पीछे स्थित चटटानपारा में नगर पालिका और जिला प्रशासन के द्वारा बुलडोजर चलाकर कर 100 से अधिक मकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन की इस कार्यवाही को तानाशाही और हिटलरशाही करार दिया है। उन्होंने जारी प्रेस विज्ञप्ति में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार एक तरफ नक्सलियों को घर, नौकरी और अन्य सुविधाएं दे रही है और दूसरी तरफ़ नक्सली पीड़ित और ग़रीबों के मकानों पर बुलडोजर चला रही है।

**ग़रीबों के साथ यह दोहरी नीति क्यों?** – उन्होंने अपने विज्ञप्ति में आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी बीजापुर के जिला महामंत्री और ठेकेदार संजय लुंकड़ ने बीजापुर में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा कर पेट्रोल पंप का संचालन कर रहा है, अब सवाल ये है कि क्या जिला प्रशासन भाजपा के जिला महामंत्री और ठेकेदार संजय लुंकड़ के जमीनों की जांच करेगी ? या सिर्फ गरीबों के घर तोड़ने तक ही जिला प्रशासन सीमित रहेगी। विधायक विक्रम मंडावी ने अपने प्रेस विज्ञप्ति में आगे कहा कि जिला प्रशासन ने बीजापुर में जिन लोगों के मकानों पर बुलडोजर चलाया है उनमें अधिकांश लोग नक्सल पीड़ित और डीआरजी के जवान हैं, वे लोग विधिवत रूप से नगर पालिका बीजापुर को अपने अपने मकानों का सम्पत्ति कर सहित अन्य कर ईमानदारी से देते आ रहे है, तो फिर ऐसा क्या हुआ कि अचानक जिला प्रशासन भारी पुलिस बल तैनात कर अपने ही लोगों के मकानों पर अंधाधुंध बुलडोजर चलवा देता है और 100 से अधिक मकानों को जमीदोज कर दिया जाता है। विधायक ने यह भी कहा कि जिला मुख्यालय में प्रशासन इतनी बड़ी कार्यवाही महज़ एक नोटिस का हवाला देकर करती है। विधायक विक्रम मंडावी ने भाजपा सरकार और जिला प्रशासन पर मानवीय संवेदनाओं को दरकिनार करने का आरोप लगाते हुए आगे कहा कि बीजापुर में हुए बोलडोजर कार्यवाही ने भाजपा सरकार और बीजापुर के जिला प्रशासन ने मानवीय संवेदनाओं को भी तार-तार कर दिया है। जिसकी जितनी भी आलोचना की जाये कम है। उन्होंने यह भी कहा कि ये घटना गरीबों को प्रताड़ित करने की भाजपा सरकार की सोची समझी षड्यंत्र और साजिश का हिस्सा है जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही विधायक विक्रम मंडावी ने भाजपा के डबल इंजन की सरकार से मांग करते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करते हुए जिस जगह पर पहले वे घर बनाकर रहते थे उसी स्थान पर पक्का मकान बना कर दिया जाए। जिला प्रशासन और नगर पालिका द्वारा किए गए इस पूरे कार्यवाही की पारदर्शिता के साथ रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाये। उन्होंने यह भी कहा आने वाले समय में ऐसी घटनाओं को लेकर भाजपा के डबल इंजन की सरकार के जन विरोधी नीतियों के खिलाफ़ उग्र आंदोलन किया जाएगा।

# गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में एनएमडीसी ने कराया मैराथन दौड़ अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सर निखत जरीन ने दिखाई झंडी

**किरंदुल।** गणतंत्र दिवस की 76 वर्षगांठ के सुअवसर पर विश्व में अपने सर्वोत्कृष्ट लौह अयस्क उत्खनन के लिए सुविख्यात नवरत्न कम्पनी एनएमडीसी लिमिटेड बैलाडीला आयरन ओर माइन किरन्दुल कॉम्प्लेक्स द्वारा दो बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज एवं एनएमडीसी की ब्रांड एम्बेसेडर निखत जरीन की गरिमामयी उपस्थिति में 10 एवं 05 किलोमीटर मैराथन दौड़ का आयोजन कराया गया। नगर के फुटबॉल ग्राउंड से यह मैराथन दौड़ का शुभारंभ अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज निखत जरीन एवं एनएमडीसी परियोजना के अधिशासी निदेशक रबिन्द्र नारायण द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस दौड़ में किरंदुल एवं किरंदुल के आसपास के क्षेत्र से लगभग 900 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। 10 किमी पुरुष वर्ग में सुकराम ओयाम अव्वल रहे, रोशन कुमार बारसा ने द्वितीय एवं सुजीत कुमार तृतीय स्थान पर रहे। 5 किमी दौड़ में रिंकू ने प्रथम स्थान अर्जित किया। रोशन द्वितीय एवं सुजीत कुमार तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में केंद्रीय विद्यालय किरंदुल की प्रतिभावान छात्रा जानवी साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज एवं एनएमडीसी की ब्रांड एम्बेसेडर निखत जरीन के कर कमलों से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) के पी सिंह, समस्त विभागाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में एनएमडीसी कर्मचारी, गणमान्य जन, विद्यार्थी गण उपस्थित थे।

## बस्तर के दो खिलाड़ियों का ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज बैडमिंटन, टूर्नामेंट, गोवा के लिए चयन

**कोण्डागांव।** बस्तर अंचल के लिए गर्व का विषय है कि क्षेत्र के दो अधिकारियों का चयन ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026 के लिए हुआ है। केंद्रीय संचार ब्यूरो, जगदलपुर में पदस्थ बी. एस. ध्रुव तथा छप्ब् कोंडागांव के संयुक्त निदेशक हेमन्त भगत का चयन ओपन कैटेगरी में हुआ है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर का बैडमिंटन टूर्नामेंट गोवा में आयोजित किया जाएगा, जो 15 से 21 फरवरी 2026 तक चलेगा। प्रतियोगिता में देशभर से विभिन्न विभागों के चयनित अधिकारी एवं खिलाड़ी भाग लेंगे। ध्रुव एवं भगत के चयन से न केवल बस्तर बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में खेल जगत के प्रति उत्साह बढ़ा है। जगदलपुर तथा कोंडागांव के बैडमिंटन संघ एवं स्थानीय खेल प्रेमियों, सहकर्मियों ने दोनों खिलाड़ियों को इस उपलब्धि के लिए दोनों खिलाड़ियो को शुभकामनाएं दी हैं और प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की है।

## छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक-समग्र शिक्षक फेडरेशन का धरना, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

**कोण्डागांव।** चार सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक-समग्र शिक्षक फेडरेशन के बैनर तले जिला मुख्यालय कोण्डागांव के चौपाटी मैदान में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना समाप्ति के पश्चात फेडरेशन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने रैली निकालकर अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

# डांस चैंपियनशिप के आयोजन में दंतेवाड़ा विधायक मुख्य अतिथि के रूप में रहे मौजूद

**किरंदुल।** लोह नगरी किरंदुल में आरोहन क्लब किरंदुल के तत्वाधान में किरंदुल डांस चेम्पियन शिप का भव्य आयोजन किरंदुल के रिक्रिएशन क्लब में आयोजित किया गया। किरंदुल डांस चैम्पिनशिप की इस प्रतियोगिता में दंतेवाड़ा जिले के साथ साथ सुकमा जिले की टीमों ने भी प्रतिभागियों के रूप में कला और संस्कृति का अनूठा बेहतरीन प्रदर्शन किया। सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दंतेवाड़ा विधानसभा के विधायक चैतराम अटामी और किरंदुल पालिकाध्यक्ष रूबी सिंह ने माँ सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर मलार्यपन किया। इस दौरान विधायक दंतेवाड़ा चेतराम अट्टामी, किरंदुल पालिकाध्यक्ष रूबी सिंह, पूर्व किरंदुल पालिकाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, एएम/एनएस कंपनी महाप्रबंधक राघवेलु, किरंदुल भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी, किरंदुल थाना प्रभारी संजय यादव, भाजपा नेता आर सी नाहक, अतुल सिंह, पार्षद के साजी, राजकुमार सोनी एवम अन्य उपस्थित रहें।

# मनरेगा के कार्य में मशीनों का प्रयोग, मजदूरों को नगद भुगतान का दिया आश्वासन

■ जनकपुर में नहर लाइनिंग और वाटर कोर्स लाइनिंग कार्य में भारी अनियमितता

**भानुप्रतापपुर।** जल संसाधन विभाग का नया करनामा सामने आया है। जहाँ विकासखण्ड के एक जलाशय में मनरेगा के तहत हो रहे नहर लाइनिंग कार्य व पुलिया निर्माण कार्य के लिए जेसीबी और डोजर का प्रयोग किया गया। ग्रामीण जब लम्बित भुगतान के लिए एसडीएम कार्यालय पहुंचे तब इस मामले का खुलासा हुआ।

मामला प्रकाश में आने के बाद विभाग में हड़कंप मचा हुआ है और मजदूरों तथा वाहन मालिको को नगद भुगतान का आश्वासन दिया गया है। इस पूरे मामले में विभाग के बड़े अधिकारियों की भूमिका पर भी संदेह है, क्योंकि जहाँ मजदूरों से काम कराया जाना था वहाँ मशीनों का प्रयोग कर शासन के नियमों की धज्जियां उड़ाई गई दूसरी और मजदूरों के हक पर भी डाका डाला गया। इसमें शामिल इंजीनियर व एसडीओ पर विभाग द्वारा अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई उल्टे उन्हें बचाने का प्रयास किया जा रहा है। मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों को भी निरस्त कर दिया गया है, उसके बावजूद विभाग द्वारा यह कार्य कराया जा रहा था जिसकी उच्च स्तरीय जाँच होनी चाहिए व दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए। ज्ञात हो कि जल संसाधन विभाग द्वारा ग्राम पंचायत परवी के आश्रित ग्राम जनकपुर में मनरेगा के तहत तालाब के माइनर में नहर लाइनिंग कार्य एवं वाटर कोर्स लाइनिंग कार्य 6 महीने पूर्व मशीनों से कराया गया था। 1 महीने में यह काम बंद भी हो गया। मजदूरों ने राशि की मांग की तो कुछ राशि का भुगतान ऑनलाइन कर दिया गया तथा शेष राशि भुगतान शीघ्र करने की बात विभाग के अधिकारी ने कही। महीनों बाद जब भुगतान नहीं हुआ और विभाग के अधिकारी पल्ला झाड़ने लगे तब मजदूरों ने एसडीएम कार्यालय और जल संसाधन विभाग के एसडीओ को ज्ञापन सौप कर शीघ्र भुगतान की मांग करी। इस आवेदन में स्पष्ट लिखा है कि 34 हज़ार 452 रुपये मजदूरी भुगतान शेष है, 12000 रुपये ट्रेक्टर मुरुम का शेष है, डोजर से काड़ा नाली मेड़ हटाया एवं मिट्टी डाला गया कुल 15.45 घंटा काम हुआ, जेसीबी से पुलिया खुदाई एवं कैनाल में मुरूम डाला गया जिसमे कुल 18.27 घंटा काम हुआ है। इसके अलावा रेत डालने वालों का 45000 बक़ाया है, पानी ढुलाने के काम में लगा ट्रैक्टर जिसका 18000 बकाया है, कई व्यापारियों का भी सामग्री का लाखों रुपये भुगतान लंबित है।

### भुगतान लम्बित होने से मजदूर और वाहन मालिक परेशान

घोठा निवासी शिवलाल कोमरा, टिकेश्वर कावड़े, राम प्रसाद कावड़े, फगनूराम उइका ने बताया कि विभाग के एसडीओ के कहने पर हमारे द्वारा 70 ट्रिप रेत निर्माण स्थल पर डाला गया जिसमे 25 हज़ार नगद दिया गया व शेष राशि के लिए साहब के द्वारा घुमाया जा रहा है। ना तो वे फ़ोन उठाते ना ही कार्यालय में मिलते। इसी तरह ग्रामीण पुरुषोत्तम, नमेंद्र, अनिल, सावंत, जागेश्वर, नारायण, माखन, सुखेन्द्र, संतोष, तामेश्वरी, ममता, सावित्री, बिमला, अनिता, नरसो, कुमारी, साधना और सुरेंद्र ने संयुक्त रूप से जब भी अपनी मजदूरी भुगतान की फरियाद लेकर कार्यालय पहुँचते तो साहब मुख्यालय से नदारद रहते। इनकी मजदूरी का 34 हजार 452 रुपये लंबित है। डोजर मालिक का 6000 और जेसीबी मालिक का लगभग 20000 रुपये बकाया है। इसके अलावा कई व्यापारियों का भी सामग्री का लाखों का भुगतान बकाया है।

### कार्य की गुणवत्ता पर भी उठ रहे सवाल

एक और अधिकारी मुख्यालय से गायब रहते है ना तो फील्ड में निरीक्षण पर जाते है ना ही कार्यालय के अन्य कार्य समय पर हो रहे है। इन्ही के चलते विभागीय निर्माण कार्यों की गुणवत्ता ताक पर है। जनकपुर के तालाब में नहर लाइनिंग कार्य और वाटर कोर्स लाइनिंग कार्य भी विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। निर्माण के लिए घटिया स्तर रेत और निम्न क्वालिटी की सीमेंट का प्रयोग किया गया है। निर्माण के दौरान पानी की क्यूरिंग भी नहीं की जा रही है। नहर में जहाँ वाटर कोर्स लाइनिंग किया जा रहा है उस नहर में पानी ही नहीं आ रहा है। इससे किसानो को कोई लाभ नहीं मिलने वाला है। यह कार्य केवल जल संसाधन विभाग के अधिकारी अपनी जेबें भरने के लिए करवा रहे है।

### मजदूरों के जगह मशीनों का प्रयोग नियम के विपरीत

जल संसाधन विभाग के द्वारा शासन के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। मनरेगा के तहत ग्रामीण मजदूरों को 100 दिन का रोजगार देने का प्रावधान है। लेकिन मजदूरों को रोजगार देने के बजाय मशीनों का प्रयोग कर विभाग द्वारा खुल कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जो काम सप्ताह में होना है वह मशीनों के द्वारा 18-20 घंटों में पूरा किया जा रहा है। मजदूरों के नाम फर्जी मास्ट्रोल बनाकर और व्यापारियों से साँठ गाँठ कर सामग्री के बिलों में हेर फेर कर लाखो का मुनाफा विभाग के अधिकारी अपनी जेबों में डाल रहे है। इधर जिन मजदूरों ने कार्य किया है उनका भुगतान अब तक नहीं किया गया जिससे उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### रोजगार कार्यालय में प्लेसमेंट कैम्प 22 जनवरी को

**बिलासपुर।** जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोनी द्वारा 22 जनवरी को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह प्लेसमेंट कैम्प सवेरे 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोनी में आयोजित होगा। प्लेसमेंट कैम्प में 3 निजी नियोजक कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें फिल्ड ऑफिसर, एग्रीकल्चर ऑफिसर, ऑपरेशन असिस्टेंट, सेल्स मैनेजर, टेलीकॉलर, हाउसकीपिंग, रिसेपशनिस्ट, टेक्निशियन सहित कुल 187 पदों के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। कैम्प में 8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई उत्तीर्ण एवं रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवार अपने साथ शैक्षणिक योग्यता संबंधी प्रमाण पत्रों एवं फोटो सहित शामिल हो सकते है। अधिक जानकारी के लिए श्री भवर सिंह कवर मो. 62687141084 से संपर्क कर सकते है।

### शक्ति सदन संचालन के लिए आवेदन 3 फरवरी तक

**बिलासपुर।** महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में शक्ति सदन के प्रभावी संचालन एवं सुचारू क्रियान्वयन के लिए रिक्त पदों पर इच्छुक आवेदकों से 3 फरवरी 2026 तक ऑनलाईन आवेदन मंगाये गये है। पात्र आवेदक विभाग की वेबसाईट पर जाकर आवेदन कर सकते है। पदों के संबंध में अधिक जानकारी जिले की वेबसाईट पर देखी जा सकती है। इसके अलावा कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग के पीछे स्थित कार्यालय के सूचना पटल का अवलोकन किया जा सकता है।भारत सरकार द्वारा एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं के सुरक्षा एवं बचाव हेतु महिला कल्याण से संबंधित कार्यक्रमों को संकलित करते हुए एक अम्ब्रेला योजना मिशन शक्ति का आरंभ किया गया है। मिशन शक्ति के उपयोजना शीघ्र सामर्थ्य अंतर्गत स्वाधार एवं उज्जवला गृह योजना को समाहित कर शक्ति सदन-एकीकृत राहत एवं पुनर्वास गृह योजना का संचालन करने के निर्देश जारी किये गये है।

### राशन दुकान खोलने 22 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित

**बिलासपुर।** मस्तुरी विकासखण्ड के ग्राम रिस्दा में राशन दुकान खोलने के लिए 22 जनवरी 2026 तक आवेदन आमंत्रित किये गये है। इच्छुक आवेदक अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कार्यालय मस्तुरी के खाद्य शाखा में उक्त तिथि तक बंद लिफाफे में शाम 5 बजे तक आवेदन दे सकते है। आवेदन के लिए ग्राम पंचायत, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समिति, अन्य सहकारी समितियां, लेम्प समितियां और वन सुरक्षा समितियां पात्रता रखते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

### दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर रेल मंडल के राजनांदगाँव-कलमना रेल खंड के बीच में तीसरी रेलवे लाइन को तुमसर यार्ड से जोडने का कार्य किया जाएगा, इसके कारण कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित

**बिलासपुर।** अधोसंरचना विकास हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अनेक परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है । इसके अंतर्गत परिचालन को और भी सुचारू तथा नई गाडियों के मार्ग प्रशस्त करने के लिए नई लाइनों का निर्माण कार्य किया जा रहा है । इससे आधारभूत संरचना में विकास के साथ नई यात्री सुविधाओं में वृद्धि के साथ यात्री ट्रेनों की समय बद्धता में वृद्धि होगी । इसी कड़ी में तुमसर रोड यार्ड पर राजनांदगाँवङ्कनागपुर तीसरी लाइन परियोजना से संबन्धित कार्य के लिए नॉन इंटरलोकिंग कार्य किया जाएगा । इस कार्य के फ्लस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा । जिसकी जानकारी इस प्रकार है :-प्रभावित होने वाली गाडियां 01. दिनांक 24 से 31जनवरी, 2026 तक तुमसर रोड से छूटने वाली 58817 तुमसर रोड-तिरोडी पैसेंजर नहीं चलेगी । 02. दिनांक 24 से 31जनवरी, 2026 तक तिरोडी से छूटने वाली 58816 तिरोडी-तुमसर रोड पैसेंजर नहीं चलेगी । 03. दिनांक 24 से 31जनवरी, 2026 तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) जंक्शन से छूटने वाली 58815 नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-तिरोडी पैसेंजर नहीं चलेगी । 04. दिनांक 24 से 31जनवरी, 2026 तक तिरोडी से छूटने वाली 58818 तिरोडी-तुमसर रोड पैसेंजर नहीं चलेगी । 05. दिनांक 24 से 31जनवरी, 2026 तक बालाघाट से छूटने वाली 68715 बालाघाट-नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-तिरोडी मेमू नहीं चलेगी । 06. दिनांक 24 से 31जनवरी, 2026 तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से छूटने वाली 68714 नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)- बालाघाट मेमू नहीं चलेगी । 07. दिनांक 28 से 31 जनवरी, 2026 तक दुर्ग से छूटने वाली 68741 दुर्ग-गोंदिया मेमू नहीं चलेगी । 08. दिनांक 28 से 31 जनवरी, 2026 तक गोंदिया से छूटने वाली 68743 गोंदिया-नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) मेमू नहीं चलेगी ।

तीन दिनी बेलतरा महोत्सव का रंगारंग समापन, कलाकारों ने बांधा समा

# समापन समारोह में विधायक धरमजीत सिंह ने की शिरकत

■ नगपुरा में सामुदायिक भवन का किया भूमिपूजन

**बिलासपुर।** बिल्हा विकासखंड के नगपुरा में आयोजित बेलतरा महोत्सव का समापन अत्यंत हर्षोल्लास और सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। तीन दिनों तक चले इस महोत्सव में बड़ी संख्या में दर्शकों ने भाग लिया और विभिन्न आयोजनों का आनंद उठाया। समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक धरमजीत सिंह ने कहा कि इस महोत्सव ने स्थानीय कला, संस्कृति और प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान किया है। उन्होंने स्थानीय विधायक श्री सुशांत शुक्ला की अगुवाई में आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में लोकनृत्य, संगीत प्रस्तुतियाँ एवं सांस्कृतिक झांकियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। उन्होंने पहले बेलतरा उत्सव के साक्षी बनने के लिए बधाई दी। आगे विशाल भव्यता के साथ आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर पूजा विधानी ने की। स्थानीय विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों, कलाकारों, दर्शकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी और सुरक्षा बलों के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व राज्य सरकार बिना भेदभाव के सभी का विकास करने में लगी है। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष ललिता संतोष कश्यप,नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, सरपंच गंगा प्रसाद साहू उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर नगपुरा मेला स्थल में 10 लाख रुपए की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया।

रंगारंग प्रस्तुतियों से मंत्रमुग्ध हुए दर्शक छत्तीसगढ़ी कलाकार और गायक पद्मश्री अनुज शर्मा की बेलतरा महोत्सव के समापन समारोह में शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके संगीत और गायन की ताजगी ने न केवल संगीत प्रेमियों को, बल्कि सभी उम्र के लोगों को झूमने और थिरकने पर मजबूर कर दिया। उनकी प्रस्तुति ने एक अलग ही माहौल बना दिया और हर किसी के दिल में अपनी धुनें छोड़ दीं। आधुनिक भारतीय संगीत के इस प्रख्यात सितारे ने अपने कार्यक्रम में फिल्म संगीत से लेकर छत्तीसगढ़ी लोक धुनों तक का समावेश किया, जिससे श्रोताओं को एक विविध संगीत अनुभव प्राप्त हुआ। उनके गायन में जो भावनाएँ और गहराई थी, वह दर्शकों को सीधे दिल से जुड़ने का अहसास दिलाती थी। अनुज शर्मा ने मंच पर अपनी अद्भुत आवाज और संगीतमय प्रस्तुति से दर्शकों के दिलों में अपनी विशेष जगह बनाई। बिलासपुर के लोक कलाकार हिलेंद्र सिंह ठाकुर की टीम ने भी अपनी प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लोक कलाओं की इंद्रधनुषी प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायन और नृत्य के जरिए उन्होंने शराब और तम्बाकू मुक्त समाज निर्माण का संदेश दिया।

## राष्ट्रीय राजमार्ग में लूट की घटना को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

**बिलासपुर।** राष्ट्रीय राजमार्ग''* में लूटपाट कर हत्या करने वाले गिरोह पर बिलासपुर पुलिस का ''प्रहार''। श्री रजनेश सिंह (भा.पु.से.) वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर के नेतृत्व में आदतन अपराधियो पर लगातार की जा रही है कार्यवाही। तीन आरोपियों से घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल, धारदार चाकू, मोबाईल फोन, नगदी रकम एवं लूटे हुये मोबाईल फोन बरामद किया गया है। पूर्व में लूटपाट के मामले में जेल जा चुके है घटना के आरोपी। आरोपिंयो द्वारा कोनी के अतिरिक्त हिर्री, चकरभाठा बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी दिया गया है लूट की घटना को अंजाम।* घटना स्थल व आसपास के 200 से अधिक सी.सी.टी.वी. खंगालने के बाद की गई आरोपियो की पहचान। ए.सी.सी.यू. बिलासपुर (सायबर सेल) व थाना कोनी की संयुक्त कार्यवाही। गिरफ्तार आरोपियो में 01. जय दिवाकर पिता बबला दिवाकर उम्र 20 वर्ष निवासी बजरंग नगर आवास पारा तिफरा थाना सिरगिट्टी जिला बिलासपुर (छ.ग.)। 02. सूरज साहू पिता सुरेश साहू उम्र 20 वर्ष निवासी राम मंदिर के पास तिफरा थाना सिरगिट्टी जिला बिलासपुर (छ.ग.)। 03. प्रदीप धुरी पिता परस राम धुरी उम्र 19 वर्ष निवासी मन्नाडोल तिफरा थाना सिरगिट्टी जिला बिलासपुर (छ.ग.)। गिरफ्तार आरोपियो से 01 नग बजाज पल्सर मोटर सायकल कीमती करीब 2 लाख रू। 01 नग रेडमी कंपनी का मोबाईल फोन कीमती करीब 20 हजार रू। 03 नग लोहे का धारदार चाकू एवं मोबाईल फोन व नगदी रकम। पजीबद्ध प्रकरण 01. थाना कोनी जिला बिलासपुर अपराध क्रमांक 17/2026 धारा 103 (1), 3(5) बी.एन.एस.। 02. थाना हिर्री जिला बिलासपुर अपराध क्रमांक 64/2025 धारा 309(4) बी.एन.एस.। 03. थाना चकरभाठा जिला बिलासपुर अपराध क्रमांक 05/2026 धारा 304(2) बी.एन.एस के तहत कार्यवाही कि गई है। मिली जानकारी के अनुसार दिनॉक 17.08.2025 को कोरिया बैकुंठपुर निवासी राज सिंह अपने हेल्पर पारस केंवट के साथ ट्रक में सीमेंट लोड कर मनेन्द्रगढ जा रहा था सुबह करीब 4.30 बजे गतौरी के पास ट्रक टायर का पंचर बनाने दौरान अज्ञात लडके मोटर सायकल से आकर चाकू दिखाकर डरा धमकाकर नगदी रकम 6000 रू एवं मोबाईल लूट करने दौरान घटना का विरोध करने पर हेल्पर पारस केंवट को धारदार चाकू से चोंट पहुँचाया गया था जिसकी इलाज दौरान मृत्यु हो गयी थी प्रकरण में जांच उपरांत थाना कोनी में अपराध क्रमांक 17/2026 धारा 103 (1), 3(5) बी.एन.एस. कायम कर विवेचना में लिया गया।

## महिला कल्याण समाज,SECL द्वारा ज्ञानदीप कन्या विद्यालय, दृष्टि बाधित में सेवा कार्य का आयोजन



**बिलासुपर।** महिला कल्याण समाज, स्श्वष्टरुद्वारा ज्ञानदीप कन्या विद्यालय, दृष्टि बाधित में सेवा कार्य का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को , राशन सामग्री, फ्ल, बिस्किट, तिल के लड्डू तथा दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया गया। यह सेवा कार्य श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा आदरणीया श्रीमती शशि दुहन जी के मार्गदर्शन में सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। दृष्टि बाधित बच्चे ईश्वर की अनुपम कृति हैं, जिनमें विलक्षण प्रतिभा कूट-कूट कर भरी हुई है। इन बच्चों की प्रतिभा को निकट से जानने और अनुभव करने का सौभाग्य महिला कल्याण समाज की सभी पदाधिकारी को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने गीत-संगीत, स्वरचित कविताएँ, वाद-विवाद आदि की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं, जो अत्यंत भावुक कर देने वाली और प्रेरणादायक रहीं। सभी सदस्यों ने बच्चों के साथ मिलकर गायत्री मंत्र का सामूहिक पाठ किया तथा बच्चों को Good Touch – Bad Touch के विषय में जागरूक शेफाली घोष के द्वारा किया गया, जिससे उनमें आत्म-सुरक्षा के प्रति समझ विकसित हो सके। यह संपूर्ण सेवा कार्य महिला कल्याण समाज की सचिव श्रीमती माधुरी तिवारी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर समाज की सक्रिय सदस्याएँ श्रीमती रेहाना खान, कविता घोष, कृति गंगाजली, पुष्पलता पटेल, सरोज वस्त्रकार, शेफाली घोष, सविता चौहान एवं सुनीता जायसवाल की सराहनीय सहभागिता रही।

## शहर के ओपन थिएटर में छत्तीसगढ़ देसी अंदाज को मिली सराहना

**कोरबा।** शहर के ओपन थिएटर में आज देसी स्वाद और लोक-संस्कृति का अनोखा संगम देखने को मिला। विभिन्न सामाजिक परिप्रेक्ष्य को सामने रखते हुए माई -जी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों की महक ने आते ही लोगों को अपनी ओर खींच लिया। देसी पकवानों का स्वाद चखते ही हर चेहरा खिल उठा और लोग छत्तीसगढ़ी स्वाद की सराहना करते नजर आए। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में पर्व त्यौहार के दौरान बनाए जाने वाले पारंपरिक व्यंजन यहां पर महिला समूह के द्वारा प्रस्तुत किए गए। इनके स्वाद को लेकर लोगों में अजीब दीवानगी दिखी। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय खेलों से जुड़ी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेलों ने जहां प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाया, वहीं आपसी मेलजोल और पारिवारिक माहौल ने आयोजन को खास बना दिया। बताया गया कि दोपहर छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपरा पर आधारित नृत्य व गीतों की प्रस्तुति होंगी। लोक कलाकारों की जीवंत प्रस्तुतियों को देखने के लिए लोग काफी उतावले हैं । आयोजन के शुभारंभ पर लोगों की भारी उपस्थिति यह बताने के लिए काफी रही कि समाज को जोडने और संस्कृति से जोडने के लिए देसी तडका आज भी सबसे प्रभावी माध्यम है।

## रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकट बुकिंग हुई और भी किफायती

■ 14 जनवरी से रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकटों के डिजिटल भुगतान पर 3 प्रतिशत तक की मिल रही है छूट

**बिलासपुर।** यात्रियों की सुविधा में निरंतर वृद्धि, सेवा गुणवत्ता में सुधार तथा डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा एक नई एवं अत्याधुनिक मोबाइल एप्लीकेशन रेलवन शुरू की गई है। यह ऐप भारतीय रेल से जुड़ी विभिन्न सेवाओं को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराते हुए यात्रियों के लिए एक वन-स्टॉप डिजिटल सॉल्यूशन के रूप में कार्य कर रही है। रेलवन ऐप के माध्यम से यात्री अनारक्षित टिकट बुकिंग सहित अनेक आवश्यक रेल सेवाओं का लाभ सरल, सुरक्षित एवं त्वरित रूप से प्राप्त कर रहे हैं । यात्रियों को डिजिटल माध्यम अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकट बुकिंग पर अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्रदान किया जा रहा है।

### अनारक्षित टिकटों पर 3 प्रतिशत छूट

डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के क्रम में रेलवन ऐप के माध्यम से सभी स्वीकृत डिजिटल भुगतान विकल्पों द्वारा अनारक्षित टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3 प्रतिशत की छूट प्राप्त हो रही है 7 यह विशेष छूट 14 जनवरी 2026 से 14 जुलाई 2026 तक प्रभावी रहेगी 7 इस छूट का लाभ यूपीआई , मोबाइल वॉलेट नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, क्काद्धरूऐप सहित सभी स्वीकृत डिजिटल भुगतान माध्यमों के माध्यम से रेलवन ऐप पर की गई अनारक्षित टिकट बुकिंग पर मिल रहा है

### व्यापक प्रचार-प्रसार

इस सुविधा की जानकारी अधिकाधिक यात्रियों तक पहुँचाने के उद्देश्य से मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से तथा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रेलवन ऐप एवं उससे जुड़ी सुविधाओं की जानकारी नियमित रूप से प्रसारित की जा रही है, ताकि अधिक से अधिक यात्री इस सुविधा का लाभ उठा सकें। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि रेलवन ऐप यात्रियों के लिए एक आधुनिक, सुरक्षित और समग्र डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से रेलवे से जुड़ी अनेक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गई है । यह ऐप न केवल यात्रियों के समय और संसाधनों की बचत करता है, बल्कि उन्हें एक पारदर्शी एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव भी प्रदान करता है। अनारक्षित टिकटों पर दी जा रही यह छूट डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

# एसईसीएल को देश की नंबर 1 कोल कंपनी बनाने के लिए रिफ़ोर्म को कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाना ज़रूरी : सीएमडी हरीश दुहन

■ एसईसीएल में पहली बार 'चिंतन शिविर' का आयोजन, ऊर्जा के क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के अनुरूप कंपनी की भावी दिशा पर हुआ गहन मंथन




**बिलासपुर।** ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के दृषिगत एसईसीएल में दिनांक 16 जनवरी 2026 को पहले चिंतन शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर के ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। इस चिंतन शिविर का उद्देश्य कंपनी की उपलब्धियों की समीक्षा करना, कमियों की पहचान करना तथा उत्पादन, डिस्पैच, सेफ्टी, कॉस्ट एफिशिएंसी, सस्टेनेबिलिटी और डिजिटाइजेशन को सुदृढ़ करने के लिए स्पष्ट एवं समयबद्ध एक्शन प्लान पर मंथन करना था। इस अनूठी और दूरदर्शी पहल का नेतृत्व एसईसीएल सीएमडी श्री हरीश दुहन ने किया। उनके साथ निदेशक (तकनीकीङ्कसंचालन) श्री एन फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन, निदेशक (तकनीकी) यो./परि. श्री रमेश चन्द्र महापात्र की भी उपस्थिति रही। शिविर में मुख्यालय एवं सभी संचालन क्षेत्रों से लगभग 200 अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें क्षेत्रीय महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं ई-5 स्तर तक के युवा अधिकारी बड़ी संख्या में शामिल रहे। इस अवसर पर सीएमडी श्री हरीश दुहन ने कहा कि एसईसीएल को हमें एक बार फिर देश की नंबर 1 कंपनी बनाना है और इसके लिए रिफॉर्म को एक नारे तक सीमित ना रखते हुए हमें इसे अपनी कार्य-संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। हमें स्पीड, टेक्नोलॉजी और डिजिटल इंटरवेंशन के माध्यम से तेज़ निष्पादन और स्पष्ट एवं पारदर्शी निर्णय-प्रक्रिया पर फोकस करना होगा। उत्पादन की साथ-साथ हमें गुणवत्ता पर भी पूरा ध्यान देना होगा ताकि हम एक बेहतर कस्टमर-एक्सपिरियन्स दे सकें। कॉस्ट एफिशिएंसी के साथ रेवेन्यू जनरेशन पर लगातार काम करना भी आज की आवश्यकता है। विज़न 2030 और विज़न 2047 को ध्यान में रखते हुए डायवर्सिफिकेशन, नेट-ज़ीरो रोडमैप और इंडस्ट्री लिंकेज में हमें हमेशा एक कदम आगे रहना होगा। कंपनी के युवा अधिकारी कंपनी का भविष्य हैं और आप सभी को कंपनी के विज़न को साकार करने में तथा एसईसीएल को फ्यूचर-रेडी संस्था बनाने में अग्रणी भूमिका निभानी है।

15 प्रस्तुतियाँ, खुला संवाद और सहभागी मंथन

चिंतन शिविर के दौरान विभिन्न विभागाध्यक्षों द्वारा कुल 15 पीपीटी प्रस्तुतियाँ दी गईं जिसमें वर्ष 2047 के लिए कंपनी की योजना, अंडरग्राउंड प्रोडक्शन प्लान, क्वालिटी कंट्रोल, डिस्पैच, एफ़एमसी, सेफ़्टी, भू-अधिग्रहण एवं पुनर्स्थापन, पर्यावरण एवं वन स्वीकृति, डिजिटाइजेशन/एआई का प्रयोग, मानव संसाधन, फाइनेंस, कांट्रैक्ट मैनेजमेंट जैसे विषय शामिल रहे। प्रत्येक सत्र के पश्चात प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें सीएमडी, सभी निदेशक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी ने सक्रिय रूप से भाग लिया। खुले मंच पर विचार, सुझाव एवं नवाचारात्मक आइडियाज़ पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे टॉप-डाउन के साथ-साथ बॉटम-अप इनपुट्स को भी प्रोत्साहन मिला गौरतलब है

## शराब कोचिये कों रतनपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

**बिलासपुर।** बिलासपुर जिले के रतनपुर थाना पुलिस ने शराब कोचियों से 20 पाव देशी प्लेन शराब व 10 पाव अंग्रेजी शराब के कुल 5.400 लीटर कीमती 2800 रूपये व परिवहन में प्रयुक्त हीरो प्लेजर स्कूटी को किया जप्त किया है। रतनपुर पुलिस के द्वारा शराब कोचियों पर लगातार की जा रही कार्यवाही। गिरफ्तार आरोपी - 1. मनोज कुमार कश्यप पिता कृष्ण कुमार उम्र 39 वर्ष निवासी करैहापारा रतनपुर थाना रतनपुर जिला बिलासपुर छ.ग.। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय जिला बिलासपुर श्री रजनेश सिंह (भा.पु.से.) के द्वारा जिले में नशे के कारोबारियों पर लगातार कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन में दिनाँक 17/01/2026 को मुखबीर से सुचना मिला कि एक व्यक्ति स्कूटी में देशी शराब दुकान से भारी मात्रा में देशी प्लेन शराब बिक्री हेतु रतनपुर की ओर लेकर जा रहे हैं, कि सुचना पर रेड कार्यवाही हेतु थाना रतनपुर से टीम रवाना हुई थी, नवापारा नेशनल हाईवे रोड के पास पुलिस टीम द्वारा रेड कार्यवाही कर स्कूटी सवार व्यक्ति मनोज कुमार कश्यप के कब्जे से 20 पाव देशी प्लेन शराब व 10 पाव अंग्रेजी शराब कुल 5.400 लीटर कीमती 2800 रूपये व परिवहन में प्रयुक्त हीरो प्लेजर को जप्त कर उक्त व्यक्ति के विरूद्ध आबकारी एक्ट की कार्यवाही कर आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी निलेश पाण्डेय, सउनि पवन सिंह, आर.आकाश डोंगरे, देवानंद चन्द्राकर का विशेष योगदान रहा।

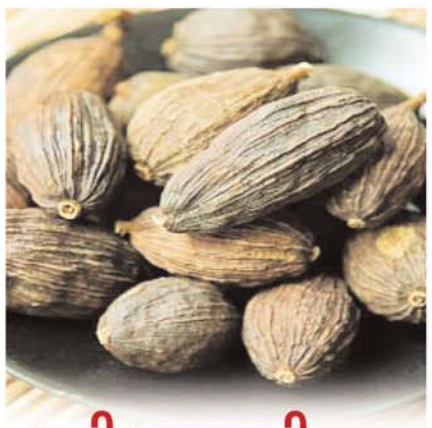

# बड़ी इलायची खाने से मिलेंगे बेमिसाल फायदे

भारतीय रसोई में मौजूद मसाले खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। इन्हीं में बड़ी इलायची पोषक तत्व, एंटी-ऑक्सीडेंट्स, एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-इंफ्लेमेंट्री आदि गुणों से भरपूर होती है। इसे काली या भूरी इलायची भी कहा जाता है। इसके सेवन से इम्यूनिटी व पाचन तंत्र मजबूत होता है। ऐसे में बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है। साथ ही पेट संबंधी समस्याओं से बचाव रहता है।.

## अस्थमा में फायदेमंद

इसका सेवन करने से सांस संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। यह फेफड़ों को साफ करके उसे बेहतर तरीके से सांस लेने में मदद करती है। ऐसे में अस्थमा के मरीजों को इसका सेवन करना चाहिए।

## कैंसर का खतरा करें कम

बड़ी इलायची में मौजूद पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण कैंसर की कोशिकाओं को पनपने से रोकते हैं। ऐसे में इस गंभीर बीमारी की चपेट में आने का खतरा कई गुणा कम रहता है।

## एसिडिटी से राहत दिलाए

आजकल लोगों को एसिडिटी की समस्या अधिक हो रही है। इसके पीछे का कारण ज्यादा मसालेदार व ऑयली खाने का सेवन करना है। इसके कारण एसिडिटी, अपच व पेट संबंधी अन्य समस्याएं होने लगती है। ऐसे में इससे बचने के लिए डेली डाइट में बड़ी इलायची सेवन करना फायदेमंद माना गया है। इसके सेवन से एसिडिटी की परेशानी दूर होकर पाचनतंत्र दुरुस्त रहने में मदद मिलती है।

## सिर व शरीर दर्द से दिलाए छुटकारा

सिरदर्द से राहत दिलाने में भी काली इलायची कारगर मानी गई है। इसके सेवन से सिर व शरीर के किसी भी हिस्से का चुटकियों में ठीक हो जाते हैं। इसके साथ ही सुस्ती, आलस व थकान से भी आराम मिलता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार काली इलायची के पाउडर को शहद के साथ खाने से शरीर का दर्द मिनटों में दूर हो जाता है।

## इम्यूनिटी बढ़ाए

काली इलायची पोषक तत्व, एंटी-ऑक्सीडेंट व औषधीय गुण होते हैं। इसका सेवन करने से इम्यूनिटी बढ़ने में मदद मिलती है। ऐसे में इसका सेवन सर्दी-जुकाम, खांसी की समस्या से बचाव रहता है।

## मुंह की दुर्गंध भगाए

अक्सर कई लोगों को मुंह से दुर्गंध आने की परेशानी होती है। ऐसे में बड़ी इलायची को चबा-चबाकर खाने से फायदा मिलता है। यह मुंह की बदबू दूर करने में कारगर मानी जाती है।

# क्या आप भी हाइपरथायरायडिज्म की समस्या से जूझ रहे हैं

**आज के समय में हाइपरथायरायडिज्म की समस्या से बहुत से लोग पीड़ित होते हैं। इस स्थिति में थायरॉयड ग्रंथि आवश्यकता से अधिक थायरॉयड हार्मोन का उत्पादन करने लगती है।**

आज के समय में हाइपरथायरायडिज्म की समस्या से बहुत से लोग पीड़ित होते हैं। इस स्थिति में थायरॉयड ग्रंथि आवश्यकता से अधिक थायरॉयड हार्मोन का उत्पादन करने लगती है। जिसकी वजह से शरीर में कई तरह की दिक्कते होने लगती हैं, जैसे अनिद्रा, हार्ट रेट का फ्लकचुएट होना, कमजोरी महसूस होना, वजन घट जाना, कंपकंपी होना, दस्त और थायराइड का बढ़ना आदि। लेकिन आज के समय में ऐसी किसी भी स्थिति में घबराने की बात नहीं होती। क्योंकि ऐसी ढेरों दवा या खाद्य सामग्री होती हैं, जो थायराइड से संबंधित समस्या और उसके लक्षणों को कम कर सकती है। हमारे बड़े बुजुर्ग भी अक्सर कहा करते थे, कि अच्छा खाना ही आपको बीमारियों से लड़ने की शक्ति भी देता है और बचाकर भी रखता है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर थायरॉयडिज्म की स्थिति से जूझने वाले लोगों के लिए क्या खाना सही है और क्या खाना गलत।

## न्यूट्रिएंट रिच फूड खाएं

इस स्थिति से निपटने के लिए आपको ऐसी खाद्य सामग्री का सेवन भी करना होगा। जिनके अंदर कई तरह के विटामिन-मिनरल्स और खनिज पदार्थ शामिल हों। इसके लिए आप मशरूम, ड्राई फ्रूट्स, सीड्स, एवोकाडो, आदि का सेवन कर सकते हैं। इन खाद्य सामग्रियों के अंदर मौजूद कैल्शियम, जिंक, आयरन जैसे तत्व आपको सूजन से भी बचाते हैं और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बेहतर करते हैं। यही नहीं इन खाद्य सामग्रियों के जरिए हड्डियां भी तंदुरुस्त रहती हैं।

## हरी पत्तेदार सब्जियां

अगर आज किसी भी बड़े बुजुर्ग से पूछेंगे कि सेहतमंद रहने के लिए कौन सी सब्जी सबसे ज्यादा फायदेमंद है। यही नहीं बल्कि विज्ञान और आयुर्वेद भी हरी पत्तेदार सब्जी की ही पैरवी करते हुए दिखाई देंगे। पर अगर आपको थायराइड से जुड़ी कोई समस्या है तो आपके लिए हरी पत्तेदार सब्जियों में भी वह अधिक फायदेमंद होंगी, जो ब्रैसिसेकी के परिवार से आती है, जैसे ब्रोकोली, ब्रसेल्स स्प्राउट्स, बोक चोय, काले, फूलगोभी, शलजम आदि। आपको बता दें कि यही सब्जियां है जो आयोडीन का उपयोग शरीर में सुचारू ढंग से चला सकती हैं।

## करें इन मसालों का सेवन

भारतीय रसोई के भीतर सदियों से ढेरों मसालों को उपयोग खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए किया जाता है। वहीं आयुर्वेद के नजरिए से शामिल किए जाने वाले यह मसाले पोषक तत्वों का खजाना होते हैं, जो कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का अंत कर सकते हैं। वहीं ऐसा ही कुछ अब विज्ञान भी मानने लगा है। अगर आपको थायराइड से जुड़ी दिक्कतों से पार पाना है तो आप अदरक, हल्दी, काली मिर्च, लौंग और मिंट का सेवन कर सकते हैं। इन मसालों के अंदर कई एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो आपकी थायराइड की समस्या और उसके लक्षणों को कम कर सकते हैं।

## क्या ना खाएं

ऐसा कहा जाता है जिस तरह एक सही डाइट आपकी समस्याओं को हर लेती है। उसी तरह कुछ गलत चीजें आपकी छोटी मोटी दिक्कतों को बड़ी समस्याओं में तब्दील कर देती हैं। इसलिए जितना जरूरी यह है कि आपको क्या खाना चाहिए, उससे कहीं ज्यादा जरूरी है कि आपको क्या नहीं खाना चाहिए। आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में जो आपको थायराइड की समस्या के दौरान बिल्कुल भी नहीं खानी चाहिए।

## आयोडीन युक्त पदार्थ

अगर आप थायराइड से संबंधित समस्या से लड़ रहे हैं तो ऐसे में जरूरी है कि आप आयोडीन युक्त खाद्य सामग्री का सेवन कम से कम करें या बिल्कुल भी ना करें। क्योंकि अगर आप आयोडीन युक्त पदार्थों का सेवन करते हैं तो इससे ग्रेव्स डिजीज नाम की एक ऑटो इम्यून स्थिति पैदा हो जाती है। इसलिए आयोडीन युक्त पदार्थ का सेवन नहीं करना चाहिए, जैसे दूध, पनीर, एग योल्क और मक्खन आदि।

## ग्लूटेन युक्त सामग्री

थायराइड की समस्या से परेशान व्यक्ति को ग्लूटेन युक्त खाद्य सामग्री का सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल इसकी वजह से शरीर में रोगी को सूजन और एलर्जी की समस्या हो सकती है। आमतौर पर घरों के अंदर इस्तेमाल किया जाने वाला गेहूं माल्ट और खमीर के अंदर ग्लूटे होता है। इसलिए इस तरह के पदार्थों से दूरी बनाकर रखें।

## सोया

सोया उत्पाद का सेवन भी थायराइड की स्थिति में नहीं करना चाहिए। हालांकि इसके अंदर आयोडीन नहीं होता लेकिन हाल ही में टोफू को लेकर कई अध्ययन हो चुके हैं। यह अध्ययन बताते हैं कि सोया थायराइड की स्थिति को बिगाड़ सकता है। इसलिए इसके सेवन से पूरी तरह बचें।

## कैफीनयुक्त पेय पदार्थ

आमतौर पर घरों या दफ्तरों में लोग चाय, कॉफी या चॉकलेट का सेवन करते हैं, जिनमें कैफीन होता है। इनके सेवन से घबराहट, चिड़चिड़ापन, और हार्ट रेट बढ़ सकता है। जो हाइपरथायरायडिज्म की स्थिति के लक्षणों को बढ़ाने का कार्य कर सकता है। अगर आपको यह समस्या है और आप सुबह की शुरुआत में ही चाय या कॉफी का सेवन करते हैं तो आप इसकी जगह हर्बल चाय, पानी या सेब के सिरके का पानी में मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

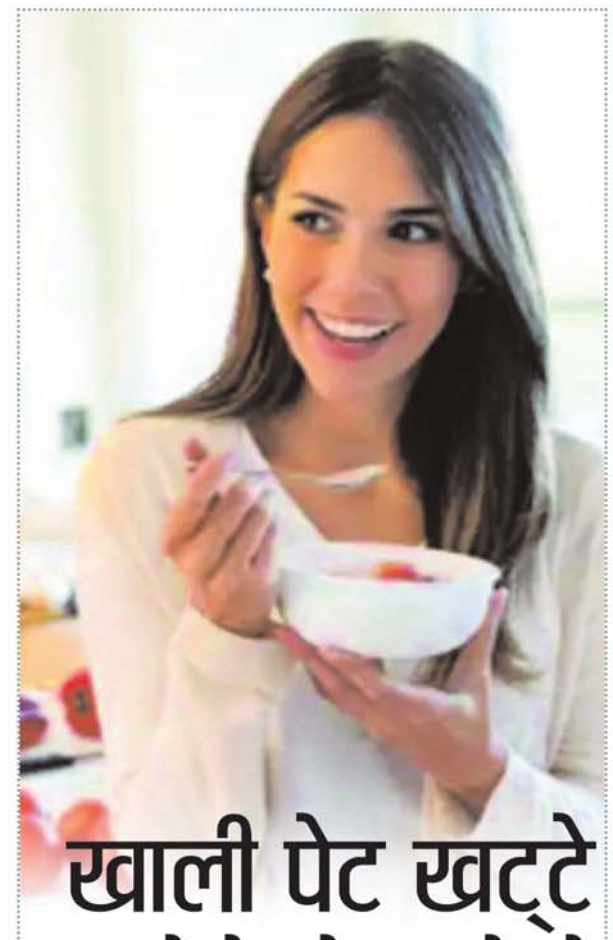

# खाली पेट खट्टे फलों के सेवन से हो सकते हैं नुकसान

सुबह का नाश्ता हम सभी के लिए जरूरी है और ब्रेकफास्ट में हम सभी का खान-पान अलग वैरराइटी का होता है। जैसे किसी को सुबह के नाश्ते में पोहा और उपमा खाना पसंद है तो कोई भीगे चने या फिर फलों का सेवन करता है। नाश्ते की तस्वीरों में संतरे का रस, क्रोइसैन और ब्रेड दिखने में बहुत आकर्षक लग सकते हैं, लेकिन क्या वास्तव में ऐसी चीजें सुबह खाली पेट खाने से हमारी सेहत को लाभ मिलते हैं? चूंकि खट्टे फलों में एसिड पाया जाता है, जो हमारे एंगर यानी गुस्से का कारण हो सकता है। इसी तरह, खमीर युक्त ब्रेड भी पेट की सेहत को प्रभावित कर सकती है, जो भविष्य में गैस्ट्रिक की समस्या का कारण बन सकती है। इसलिए यहां हम कुछ ऐसे फूड आइटम्स के बारे में आपको जानकारी दे रहे हैं जिनके खाली पेट सेवन करने से आपको कई स्वस्थ्य लाभ मिलते हैं।

## पपीता

मल त्याग को कंट्रोल करने के लिए पपीता का सेवन सही विकल्प है। खाली पेट खाने के लिए पपीपा एक सुपरफूड है। सबसे दिलचस्प बात ये है कि पपीता 12 माह यानी पूरे साल बाजार में मिलता है, इसलिए आप हमेशा के लिए इसे अपने सुबह के नाश्ते में शामिल कर सकते हैं। ये फल न केवल शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर करने में मदद करता है बल्कि खराब कोलेस्ट्रॉल को भी कम करता और दिल की बीमारियों के जोखिम से बचाव करता है।

## तरबूज

सुबह के नाश्ते में खट्टे फलों को छोड़ आप एप्पल जैसे दूसरे फलों को शामिल कर सकते हैं और तरबूज इस सूची में सबसे ऊपर है। 90% पानी से बना यह फल शरीर को हाइड्रेशन की एक बड़ी खुराक प्रदान करता है। यह न केवल शुगर क्रेविंग को रोकता है बल्कि इसे खाने से हम अतिरिक्त कैलोरी भी नहीं लेते। तरबूज इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है और इसमें अधिक मात्रा में लाइकोपीन यौगिक भी होता है जो हृदय व आंखों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

## नट्स

हेल्दी गट यानी स्वस्थ्य आंत के लिए नाश्ते में मुट्ठी भर नट्स खाना बहुत जरूरी है। यह न केवल पाचन में सुधार करते हैं बल्कि आपके पेट के पीएच लेवल को भी सामान्य करते हैं। आप अपनी डेली डाइट में किशमिश, बादाम और पिस्ता को शामिल कर सकते हैं। हालांकि, आपको इन्हें कम मात्रा में ही खाएं, क्योंकि इसकी अधिक खाने से पिंपल्स और वजन बढ़ सकता है।

## पोरिज

यदि आप कम कैलोरी और अधिक मात्रा के पोषक तत्वों वाला नाश्ता खाना पसंद करते हैं तो पोरिज एक बढ़िया विकल्प है। खासकर दलिया से बना पोरिज सुबह के नाश्ते का सुपरफूड है, जो स्वाद में भी लाजवाब है और सेहत के लिए हेल्दी भी है। खाली पेट पोजिर खाने से भी शरीर के टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं और आंतों की सेहत भी हेल्दी रहती है। दलिया खाने से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है जिससे आप अतिरिक्त खाने से भी बचते हैं।

# आपका हो गया हार्ट फेल, शरीर देता है 5 लक्षण, अटैक आने से पहले करें ये काम

अगर आपको हमेशा सांस फूलना, लगातार थकान, पैरों या टखनों में सूजन, धड़कन का तेज या अनियमित होना और रात में खांसी या घरघराहट जैसे लक्षण महसूस होते हैं, तो यह संकेत है कि आप हार्ट फेल हो गया है या होने वाला है। हार्ट फेलियर एक ऐसी कंडीशन है जो किसी को भी हो सकती है। इसका मतलब यह नहीं कि आपका दिल रुक गया है, बल्कि इसका अर्थ है कि आपका दिल शरीर की जरूरतों के अनुसार पर्याप्त रूप से खून नहीं पंप कर पा रहा है। यह समस्या उतनी आम है, जितनी लोग सोचते भी नहीं। हर 5 में से 1 व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी हार्ट फेलियर हो सकता है. हार्ट फेलियर कुछ कैंसर जितना ही गंभीर हो सकता है। अगर समय पर इलाज न मिले तो हर 2 में से 1 व्यक्ति डायग्नोसिस के 5 साल से ज्यादा नहीं जी पाता।

## हार्ट फेलियर से कैसे बचें?

डॉक्टर के अनुसार, अच्छी बात यह है कि सही इलाज, दवाओं और जीवनशैली में बदलाव से हार्ट फेलियर के मरीज लंबे और बेहतर जीवन जी सकते हैं। चलिए समझते हैं कि आप इस कंडीशन को कैसे समझ सकते हैं और कैसे

## हार्ट फेलियर क्या है?

डॉ. के अनुसार, हार्ट फेलियर का मतलब है कि दिल उतनी ताकत से खून पंप नहीं कर पा रहा जितनी शरीर को जरूरत है। इसका मतलब दिल का रुक जाना नहीं होता, बल्कि यह है कि दिल कमजोर पड़ गया है।

## हार्ट फेलियर के लक्षण

अगर आपको रोजमर्रा के काम करते समय या लेटते वक्त सांस फूलने लगे, लगातार थकान महसूस हो, पैरों, टखनों या पांवों में सूजन दिखाई दे, धड़कन तेज या अनियमित हो जाए और खांसी या सांस में घरघराहट बनी रहे, तो ये सभी संकेत दिल की कमजोरी यानी हार्ट फेलियर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षणों को हल्के में न लें और तुरंत डॉक्टर से जांच करवाएं।

## किन लोगों को खतरा है?

हार्ट फेलियर का खतरा किसी को भी हो सकता है, लेकिन कुछ लोगों में यह जोखिम अधिक होता है। जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग या ब्लॉकेज की समस्या है, डायबिटीज के मरीज हैं, मोटापे से परेशान हैं, धूम्रपान करते हैं या ज्यादा मात्रा में शराब पीते हैं, उन्हें दिल कमजोर होने का खतरा दूसरों की तुलना में कहीं ज्यादा रहता है।

हार्ट फेलियर से बचाव के लिए जीवनशैली में कुछ सरल बदलाव करना बहुत जरूरी है। वजन को कंटोल रखें, रोजाना नियमित व्यायाम करें, कम नमक वाला बैलेंस डाइट लें,स्मोकिंग और शराब से पूरी तरह दूरी बनाएं और तनाव को नियंत्रण में रखें। ये आदतें दिल को मजबूत बनाती हैं और हार्ट फेलियर के खतरे को काफी हद तक कम कर सकती हैं।

## डॉक्टर को कब दिखाएं?

अगर आपको बिना वजह थकान महसूस हो रही है, सांस फूल रही है या पैरों में सूजन दिख रही है, तो इसे हल्के में न लें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

# Kalyan College - Durg सेक्टर स्तरीय टूर्नामेंट, 08 कॉलेज से पहुंचे प्लेयर्स, स्टेट के लिए बनी टीम, तीन जिलों से पहुंची कॉलेजों की खो-खो टीमें, प्लेयर्स ने दिखाया दम

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा खो-खो टूर्नामेंट का आयोजन स्पोर्ट्स हब भिलाई में किया गया। सेक्टर-7 स्थित कल्याण पीजी कॉलेज में दुर्ग सेक्टर लेवल बॉयज खो-खो टूर्नामेंट में तीन जिलों की टीमों ने भाग लिया। यहां पहले कॉलेजों की टीमों के बीच टक्कर हुई। उसके बाद स्टेट लेवल टूर्नामेंट के लिए दुर्ग सेक्टर की टीम का सलेक्शन भी किया गया।इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भिलाई नगर निगम के कमिश्नर राजीव पाण्डेय ने प्लेयर्स को मोटिवेट किया। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन का स्मरण किया। साथ ही अपने जीवन के कई प्रेरणास्पद संस्मरणों से बच्चों को हमेशा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया। टूर्नामेंट में कॉलेज के स्पोर्ट्स ऑफिसर भुनेश्वर साहू, सीनियर प्रोफेसर डॉ.सलीम अकील, सीनियर स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ.ईश्वर सिंह बरगाह, मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के हेड डॉ.हरीश कश्यप और जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर अंशुल तिवारी की सराहनीय और बेहद सक्रिय भूमिका रही।आयोजक कल्याण पीजी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.विनय शर्मा ने कॉलेज की उपलब्धियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कई वर्षों तक इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट में कल्याण की टीम का ही दबदबा रहा। उन्होंने बताया कि लगभग चार दशक से कल्याण की टीम का क्रिकेट टूर्नामेंट में एकछत्र राज रहा। उन्होंने कहा कि परिणाम प्रतिकूल हो या फिर अनुकूल हो उससे कहीं ज्यादा यह मायने रखता है कि आपने मेहनत कितनी की है।इस दौरान कल्याण कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल डॉ.लखन चौधरी, कॉमर्स के फैकल्टी हेड डॉ.सलीम अकील, एजुकेशन के फैकल्टी हेड डॉ.ईश्वर सिंह बरगाह, साइंस के फैकल्टी हेड डॉ.गुणवंत चंद्रौल, इंग्लिश डिपार्टमेंट के हेड डॉ.अनुराग पाण्डेय, हिंदी डिपार्टमेंट के हेड डॉ.सुधीर शर्मा, सोशियोलॉजी डिपार्टमेंट के हेड डॉ.के.एन.दिनेश, मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के हेड डॉ.हरीश कश्यप, एजुकेशन डिपार्टमेंट के डॉ.पापा राव, जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर अंशुल तिवारी, कॉमर्स डिपार्टमेंट के सीनियर प्रोफेसर अमित अग्रवाल, कॉमर्स डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर जितेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

**आठ टीमों ने दिखाया दम**-इस टूर्नामेंट में तीन जिलों से आठ टीमें पहुंची थी। इसमें मेजबान कल्याण कॉलेज, उतई कॉलेज, साइंस कॉलेज दुर्ग, गवर्नमेंट कॉलेज बालोद, गवर्नमेंट कॉलेज नवागढ़, गवर्नमेंट कॉलेज बेमेतरा, गवर्नमेंट कॉलेज खेरथा और सुराना कॉलेज दुर्ग की टीम पहुंची थी। यहां इन टीमों के प्लेयर्स ने दमखम दिखाया।

**इनकी रही उपस्थिति**-इस दौरान यूनिवर्सिटी के ऑब्जर्वर लक्ष्मेंद्र कुलदीप और सलेक्टर मनीष टोप्पो मौजूद रहे। जबकि विभिन्न महाविद्यालयों से वरिष्ठ क्रीड़ाधिकारी डॉ.नरेश धर दीवान, क्रीड़ाधिकारी डॉ.रमेश त्रिपाठी, दुर्गा प्रसाद जंघेल, भारती यादव, शिल्पा देवांगन और मणिशंकर उपस्थित रहे।

**स्टेट के लिए बनी टीम**-दुर्ग सेक्टर लेवल इंटर कॉलेज खो-खो टूर्नामेंट के आधार पर दुर्ग सेक्टर की टीम का गठन किया गया। सेक्टर की टीम स्टेट लेवल खो-खो टूर्नामेंट में दुर्ग का प्रतिनिधित्व करेगी। स्टेट लेवल टूर्नामेंट गवर्नमेंट एल.सी.एस पीजी कॉलेज, अंबागढ़ चौकी में 21 और 22 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। यहां पूरे छत्तीसगढ़ से बॉयज खो-खो टीम पहुंचेगी और अपने-अपने सेक्टर का प्रतिनिधित्व करेगी।

# हजरत बाबा अब्दुल रहमान शाह काबुली का 124वां उर्स 14 फरवरी से, जुटेगी प्रदेश भर से जायरीन की भीड़

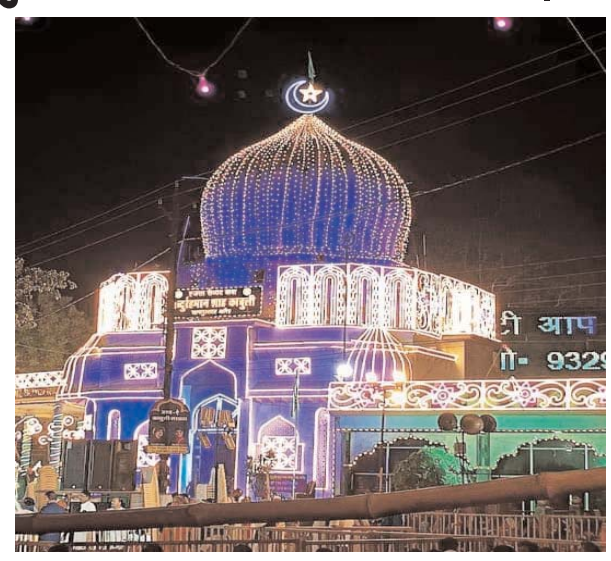

**दुर्ग ।** ऐतिहासिक और कौमी एकता के प्रतीक हजरत बाबा अब्दुल रहमान शाह काबुली रहमतुल्लाह अलैह का 124वां सालाना उर्स पाक इस वर्ष भी बेहद धूमधाम और अकीदत के साथ मनाया जाएगा। रविवार, 18 जनवरी को शाबान उर्स पाक कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें उर्स के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। तीन दिवसीय भव्य आयोजन (14 से 16 फरवरी) बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि उर्स का मुबारक कार्यक्रम 14, 15 और 16 फरवरी 2026 को आयोजित होगा। इस तीन दिवसीय आयोजन में पहले दिन विशेष प्रवचन (दीनी जलसा) का कार्यक्रम होगा, जिसमें पैगंबर साहब के वंशज, देश के प्रख्यात उलेमा और दुर्ग जिले के सभी धर्मगुरु शामिल होकर अमन-चैन का संदेश देंगे।सांस्कृतिक कार्यक्रम और लंगर

उर्स के मौके पर एक दिन सूफ्रियाना कव्वाली का भी शानदार आयोजन किया जाएगा, जिसमें हिंदुस्तान के मशहूर कव्वाल अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही, अकीदतमंदों के लिए भव्य लंगर (प्रसाद) का भी इंतजाम किया जाएगा। इस आयोजन में न केवल दुर्ग शहर, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश से मुस्लिम समाज सहित सभी धर्मों के लोग बड़ी संख्या में शिरकत करेंगे।बैठक में प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के लिए आयोजित इस बैठक में शाबान उर्स पाक कमेटी के सदर अफजल हुसैन, आफ्ताब रब, भाजपा युवा नेता इकराम कुरैशी, मोहम्मद सिराजुद्दीन, मोहम्मद खालिक और गुल्ला भाई प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

# जल जीवन मिशन से बदला ग्रामीणों का जीवन उत्तर रेगांव में हर घर जल का सपना हुआ साकार

**रायगढ़।** भारत सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशनः हर घर जल योजना और छत्तीसगढ़ शासन की सक्रिय सहभागिता से जिले के तमनार विकासखंड अंतर्गत ग्राम-उत्तर रेगांव में सुरक्षित पेयजल की समस्या पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। जिला प्रशासन रायगढ़ के प्रभावी क्रियान्वयन और सतत निगरानी के चलते आज गांव के प्रत्येक घर तक नल से शुद्ध पेयजल पहुँच रहा है, जिससे ग्रामीणों के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिल रहा है। केंद्र सरकार की नीति, छत्तीसगढ़ शासन की प्रतिबद्धता और जिला प्रशासन रायगढ़ के समन्वित प्रयासों से जल जीवन मिशन अंतर्गत आज उत्तर रेगांव में स्वच्छता, स्वास्थ्य और जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ग्रामीणों में शासन की योजनाओं के प्रति विश्वास और सहभागिता बढ़ी है। यह मिशन प्यास बुझाने के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को मजबूती प्रदान कर रहा है। आज उत्तर रेगांव के ग्रामीण गर्व के साथ कहते हैं-जल जीवन मिशन ने हमारे सपनों को साकार कर दिया है।

**मोहरमती भगत के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव**-ग्राम उत्तर रेगांव की निवासी मोहरमती भगत जल जीवन मिशन की सशक्त हितग्राही बनकर उभरी हैं। योजना से पहले उन्हें प्रतिदिन घरेलू उपयोग के लिए दूर-दराज के जल स्त्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। विशेषकर गर्मी के दिनों में पानी की तलाश में लगने वाला समय, श्रम और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता था। जल जीवन मिशन के अंतर्गत उनके घर नल जल कनेक्शन मिलने के बाद अब शुद्ध और सुरक्षित पेयजल घर पर ही उपलब्ध है। श्रीमती भगत बताती हैं कि इससे न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य में भी सुधार आया है और जलजनित बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम हुआ है। आज वे अतिरिक्त समय का उपयोग घरेलू, सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों में कर पा रही हैं।महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास की मिसाल बना उत्तर रेगांव-जल जीवन मिशन के तहत ग्राम उत्तर रेगांव में जल स्त्रोतों का सुदृढ़ीकरण, पाइपलाइन विस्तार, नल कनेक्शन स्थापना और जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी की गई है।

# छत्तीसगढ़ में धान घोटाले पर सियासत, कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शन, भिलाई में 'चूहा सम्मान रैली'

**भिलाई/दुर्ग ।** छत्तीसगढ़ में कथित धान घोटाले को लेकर कांग्रेस ने भिलाई में अनोखे अंदाज़ में विरोध दर्ज कराया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नर्सिंग नाथ के तत्वावधान में आयोजित ÷चूहा सम्मान रैली÷ शाम करीब 4:30 बजे निकाली गई। रैली में भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव, जिला व ब्लॉक स्तर के कई नेता एवं सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। रैली के दौरान व्यंग्यात्मक रूप से ÷सबसे अधिक धान खाने वाले÷ चूहों के नाम की घोषणा की गई। कवर्धा जिले के चूहे को प्रथम, महासमुंद को द्वितीय, गोरिल्ला जिले को तृतीय तथा बेमेतरा जिले के चूहे को सांत्वना पुरस्कार देने की घोषणा की गई। कांग्रेस का कहना है कि करोड़ों रुपये के धान नुकसान को चूहों के सिर मढ़कर असली दोषियों को बचाने की कोशिश की जा रही है।

2 किलोमीटर की पदयात्रा-÷चूहा सम्मान रैली÷ राजेंद्र प्रसाद चौक से सुपेला घड़ी चौक तक निकाली गई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि धान के करोड़ों रुपये के नुकसान की जिम्मेदारी चूहों पर डालना जनता को गुमराह करने का प्रयास है। रैली में प्रतीकात्मक रूप से चूहों का ÷सम्मान÷ कर विरोध दर्ज कराया गया और न्याय की मांग की गई।

**कवर्धा व महासमुंद में करोड़ों के धान का दावा**-कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि अधिकारियों के अनुसार कवर्धा में लगभग 7 करोड़ और महासमुंद में करीब 5 करोड़ रुपये का धान चूहों द्वारा खा जाने की बात कही जा रही है। कांग्रेस ने इसे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की ओर इशारा बताते हुए कहा कि गरीब किसानों के धान का पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है।

**भ्रष्टाचार छुपाने चूहों को बनाया जा रहा बलि का बकरा**जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए चूहों को बलि का बकरा बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दुर्ग नगर निगम में अधिकारी कर्मचारियों से व्यक्तिगत काम करवा रहे हैं और इनकार करने पर बर्खास्तगी जैसी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि चूहों ने धान खाकर ÷विश्व रिकॉर्ड÷ बना दिया है, इसलिए कांग्रेस ने प्रतीकात्मक रूप से पुरस्कार घोषित किए।

**निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग**-विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि यह रैली जनता को गुमराह होने से बचाने के लिए निकाली गई है। उन्होंने कहा कि एक जगह 7 करोड़ और दूसरी जगह 5 करोड़ का धान चूहों द्वारा खा जाने का तर्क जनता के गले नहीं उतरता। रैली के समापन पर छावनी एसडीएम हेमंत पिज्जा को ज्ञापन सौंपकर उच्च स्तरीय, निष्पक्ष जांच, दोषियों के नाम सार्वजनिक करने और सख्त कार्रवाई की मांग की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अरुण सिंह सिसोदिया, अतुल साहू, गिरवर बंटी साहू, संदीप निरंकारी, ब्लॉक अध्यक्ष जी. राजू, गुड्डू खान, सौरभ दत्ता, दिनेश पटेल, केशव चौबे, लालचंद वर्मा, आदित्य सिंह, अंजू सिन्हा, राजेश साहू, फ़रूक़ खान (अध्यक्षङ्कअल्पसंख्यक), संजीत चक्रवर्ती, मो. रफ़ीक़ खान, आनंद डोंगरे, रज़ा सिद्धकी, अमित जैन, डेरेश्वर बंजारे, राजेन्द्र महिलांग, दुर्गेश ताम्रकार, जय वर्मा, सोएब मो., नरेन्द्र पिपरोल, आज़ाद अंसारी, इस्माइल खान, ललित पाल, अजय सिंह, गुलाम उसमानी, इतवारी देवांगन, शिव साहू, पूर्णिमा साहू, सत्यनारायण सिंह, रविंदर सिंह, निरंजन बिसाई, दिनेश वासनीक, विजय, अजय यादव, परमानंद चंदेल, निर्मल सिंह धारीवाल, श्याम सुन्दर मिश्रा, मोहन दलाई, राजू कन्हाई, जानिसार अख्तर, बद्री बघेल, ए. जी. नायडू, संतोष देशमुख, अमित सिंह, कन्हैया चुरहे, राजकुमार बंजारे, मेरिक सिंह, बजरंगी लाल, दुर्गा प्रसाद साहू, उमा शंकर साहू, सुजीत साव, हीराशंकर साहू, बलदाऊ पिपरिया, राजकुमार चौधरी, चमन राम साहू, किशन यादव, बुद्ध शरण बोरकर, सुमन सागर सिन्हा, वीर बहादुर थापा, प्रदीप कुलदीप, मो. फ़िरोज़, भुनेश्वरी रानी, अनिशा बघेल, अनसुइया मरकाम, चंपा साहू, केसरी बाई, रहमान, शिव प्रसाद, नीरज पाल, हेमन बंजारे, गौरी साहू, थानु कांत, अशोक रामटेके, राजेश यादव सहित अन्य सैकड़ों कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

# झीट महुदा राज में शाकम्भरी महोत्सव एवं प्रथम वार्षिक अधिवेशन एवं सम्मान समारोह का आयोजन

**अम्लेश्वर।** छत्तीसगढ़ कोसरिया पटेल मरार समाज झीट महुदा राज के मां शाकम्भरी महोत्सव एवं प्रथम वार्षिक अधिवेशन एवं सम्मान समारोह का आयोजन बाजार चौक पाहंदा (अ) में आज 11 जनवरी को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रतिनिधि राकेश ठाकुर जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी दुर्ग रहे। अध्यक्षता सुनील पटेल प्रदेश अध्यक्ष ने किया। विषेश अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी, जनपद आनंद बघेल,महेंद्र वर्मा ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस, डॉ मोहन साहू, पवन पटेल प्रदेश उपाध्यक्ष, कुबेर पटेल, आत्मा राम पटेल, खिलू पटेल,अशोक पटेल, केशव पटेल महामंत्री, ग्राम पंचायत सरपंच ईशरावती ठाकुर, चेतन देवांगन, पूर्व सरपंच मोहन साहू, कृष्णा साहू, परमेश्वर यदु, ईश्वर साहू की गरीमामई उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत मां शाकम्भरी देवी की पूजा अर्चना से हुई सर्व प्रथम महिलाओं के द्वारा कलश यात्रा निकाल कर गांव का भ्रमण किया।तत्पश्चात अतिथियों का आगमन स्वागत सम्मान। स्वागत भाषण कामता पटेल अध्यक्ष झीट राज ने किया। कार्यक्रम का संचालन देवेंद्र पटेल ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा की मरार समाज की क्या पहचान साग बाजी और ईमान पटेल समाज मेहनत कश समाज इसके द्वारा उगाए गए सब्जी बाजी लोगो को स्वास्थ लाभ दिलाने में काम करता है। पटेल समाज डॉक्टर के रूप में लोगो का विटामिन और प्रोटीन के अनुरूप साग सब्जी परोसते हैं। समाज प्रमुखों ने सामाजिक एकता पर जोर देते हुए युवा पीढ़ी को नशा पान से दूर रहकर कार्य करने की बात कही युवा समाज को आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करने में योगदान दे साथ ही अपने बच्चों को संस्कारवान बनाए। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का सब्जी टोकरी के साथ शाल श्रीफल भेंट का सम्मानित किया गया।

# महापौर अलका बाघमार ने किया महिला क्रिकेट और कॉर्पोरेट कप का उद्घाटन, सोमवार को तीन मैच खेले गए

**दुर्ग।** दुर्ग में एस. आर. हॉस्पिटल एंड कालेज के द्वारा आयोजित क्रिकेट के महासंग्राम में सोमवार खेल प्रेमियों के लिए दो बड़े आयोजन हुए, जिनका उद्घाटन दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार ने किया। सुबह से ही मैदान पर खिलाड़ियों का उत्साह चरम पर था।

## महिला क्रिकेट कप का आगाज़

महिला क्रिकेट कप उद्घाटन समारोह आज सुबह 11 बजे शुरू हुआ। महापौर अलका बाघमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ किया और सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनाएँ दीं। उद्घाटन के बाद एक मिक्स्ड महिला प्रदर्शनी मैच खेला गया, जिसने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। लंच ब्रेक के बाद, टूर्नामेंट का पहला मुख्य मुकाबला नित्या ङ्कढ्ढ और डायमंड ङ्कढ्ढ के बीच खेला गया, जिसमें दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया।

## कॉर्पोरेट कप का तीसरा स्थान मैच

महिला क्रिकेट के साथ-साथ, कॉर्पोरेट कप का रोमांच भी जारी रहा। दोपहर 3 बजे से तीसरे स्थान के लिए महत्वपूर्ण मैच खेला गया, जिसमें टीमों ने जीत के लिए कड़ा संघर्ष किया। यह आयोजन दुर्ग में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

# परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस ने संयुक्त रूप से की 120 स्कूली बसों की जांच

## जिला परिवहन अधिकारी की मौजूदगी में चला जांच अभियान

**कोरबा।** जिला परिवहन कार्यालय कोरबा के मैदान में जिले में स्थित लगभग सभी स्कूल में चलने वाली बसों की जांच जिला परिवहन अधिकारी विवेक सिन्हा की मौजूदगी में की गई जिला परिवहन विभाग और यातायात पुलिस कोरबा के इस संयुक्त अभियान में सुबह से शाम तक चले जांच परीक्षण के दौरान लगभग 120 स्कूली बसों का परीक्षण परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित 16 मापदंडों के आधार पर किया गया इस अभियान को लेकर जिला परिवहन अधिकारी विवेक सिन्हा ने बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत यातायात पुलिस और परिवहन विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से यह अभियान चलाया जा रहा है उन्होंने बताया कि वैसे भी वर्ष में चार मर्तबा सभी स्कूली बसों का परीक्षण किया जाता है और इस दौरान गाड़ी का सभी अपडेट पेपर के साथ ही चालक का ड्राइविंग लाइसेंस गाड़ी में सीसीटीवी कैमरा सहित अन्य आवश्यक बिंदुओं को जांचा परखा जाता है इस अभियान के अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी विवेक सिन्हा के साथ परिवहन विभाग के सदानंद जांगड़े और संजय वस्त्रकर के अलावा यातायात पुलिस कोरबा के डीएसपी डीके सिंह थाना प्रभारी तेज सिंह यादव सहायक उप निरीक्षक मनोज राठौर ईश्वरी लहरें रामनारायण रात्र हेड कांस्टेबल लखन सिंह राम पाटले और अरुण का भी अभियान में योगदान रहा।

## न्यायाधीशों और कर्मचारियों की शारीरिक-मानसिक सुदृढ़ता और सौहार्द बढ़ाने के लिए अनूठी पहल

# दुर्ग जिला न्यायालय में स्पोर्ट्स मीट का सफल आयोजन: न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिखाया खेल कौशल

**दुर्ग।** माननीय सर्वोच्च न्यायालय और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के 'स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता' संदेश से प्रेरित होकर जिला न्यायालय दुर्ग द्वारा जिला स्तरीय 'स्पोर्ट्स मीट' का भव्य आयोजन किया गया। इस खेल महोत्सव का उद्देश्य न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के भीतर शारीरिक और मानसिक मजबूती के साथ-साथ आपसी एकता, ऊर्जा और सौहार्द की भावना को विकसित करना था।

### प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया शुभारंभ

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कर-कमलों द्वारा किया गया। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर खेल स्पर्धाओं की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि न्यायिक कार्यों की व्यस्तता के बीच खेल गतिविधियाँ मानसिक तनाव को कम करने और कार्यक्षमता बढ़ाने में संजीवनी का कार्य करती हैं।

### विविध खेल प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साह

स्पोर्ट्स मीट के दौरान बैडमिंटन, कैरम, शतरंज और टेबल टेनिस जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मैदान और बोर्ड पर प्रतिभागियों ने न केवल अपनी खेल प्रतिभा दिखाई, बल्कि अनुशासन और टीम भावना का भी उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया। खिलाड़ियों के साथ-साथ वहां उपस्थित दर्शकों और अन्य स्टाफ में भी भारी उत्साह देखने को मिला।

### स्वास्थ्य और सकारात्मक सोच पर जोर

इस अवसर पर उपस्थित माननीय न्यायाधीशों ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित खेल गतिविधियाँ सकारात्मक सोच और समन्वय के निर्माण में सहायक होती हैं। इससे न्यायालयीन कार्यों में भी आपसी सहयोग और सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्मित होता है।

### सफल रहा आयोजन

स्पोर्ट्स मीट के सफल संचालन में आयोजन समिति, न्यायालयीन स्टाफ और स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सहित समस्त न्यायाधीशगण और बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला न्यायालय दुर्ग का यह प्रयास न केवल स्वास्थ्यवर्धक रहा, बल्कि सभी के लिए एक प्रेरणादायी अनुभव सिद्ध हुआ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com